संयम ◆संस्कार ◆संतुलन

R.N.I. No.-UPHIN/2004/22466

वर्ष-21 अंक- 80
पृष्ठ 8
रविवार
08 दिसम्बर 2024
प्रातः संस्करण
हिन्दी दैनिक
प्रयागराज
मूल्य-1.00

शहर समता

प्रयागराज से प्रकाशित Email : shaharsamta@gmail.com Website : https://Shaharsamta.com

सम्पादक–उमेश चन्द्र श्रीवास्तव

विविध– प्याज काटते समय नहीं.....

विचार– जून २०२५ से सेटेलाइट ....

खेल– ट्रेविस हेड के नाम डे-नाइट....

वाराणसी में बोले सीएम योगी–

हमारा देश सुरक्षित तो हमारा धर्म सुरक्षित, इसके बाद ही हम सुरक्षित

वाराणसी सीएम योगी वाराणसी दौरे के दूसरे दिन स्वर्वेद महामंदिर धाम में आयोजित विहंगम योग संत समाज की स्थापना के शताब्दी समारोह महोत्सव में शामिल हुए। 25000 कुंडीय स्वर्वेद ज्ञान महायज्ञ का भी आयोजन किया गया है। लाखों लोगों के होने के बावजूद यहां की सुचारू व्यवस्था की सीएम योगी ने तारीफ की। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पीएम मोदी जी कहते हैं कि हर काम देश के नाम होना चाहिए। देश सुरक्षित है तो धर्म भी सुरक्षित है। धर्म सुरक्षित है तो हम भी सुरक्षित हैं, इसलिए जो भी कार्य हो, वह व्यक्ति, समाज, मत–मजहब के दायरे से ऊपर उठकर सनातन धर्म के मूल्यों के अनुरूप भारत की वैदिक–आध्यात्मिक परंपरा का अनुसरण करते हुए देश के नाम होना चाहिए। भारतीयता और सनातन सबको जोड़ने की ताकत रखता है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि 1888 में बलिया के छोटे से गांव में सद्गुरु सदाफल देव महाराज का अवतरण हुआ। उन्होंने 1924 में विहंगम योग संत समाज की स्थापना की। जब समाज शताब्दी समारोह कार्यक्रम के साथ जुड़ रहा है, तब हम भी इसके साक्षी बन रहे हैं। हम सभी को संत की यौगिक साधना का प्रसाद प्राप्त हो रहा है। विहंगम योग संत समाज स्वर्वेद महामंदिर ट्रस्ट के माध्यम से दिव्य–भव्य मंदिर बनाकर कोटि–कोटि श्रद्धालुजनों को अपने पुरुषार्थ के माध्यम से जोड़ने के साथ ही भारत की योग परंपरा व आध्यात्मिक धारा को जन–जन तक पहुंचाने को कृतसंकल्पित दिख रहा है।

सीएम योगी ने कहा कि सद्गुरु सदाफल देव महाराज ने आध्यात्मिक अभियान को आगे बढ़ाया और यह भी बताया कि सच्चा योगी–संत देश व समाज की परिस्थितियों को देखकर हाथ पर हाथ रखकर बैठा नहीं रह सकता। देश जब गुलामी की बेड़ियों से जकड़ा था, तब सद्गुरु सदाफल देव जी महाराज ने अपनी आध्यात्मिक साधना के साथ विदेशी दासता से मुक्त कराने के लिए आजादी के आंदोलन में भाग लेकर बैरकपुर से देश के प्रथम स्वातंत्र्य समर के शंखनाद के साथ खुद को जोड़ा था। आप सब भी समृद्ध आध्यात्मिक परंपरा के साथ राष्ट्रधर्म के लिए समर्पित महत्वपूर्ण कड़ी से खुद को जोड़ रहे हैं।

सीएम योगी ने कहा कि सद्गुरु सदाफल देव जी महाराज ने उत्तराखंड ने स्वर्वेद रचा। उनकी अद्भुत परंपरा का निर्वहन आज भी हो रहा है। विज्ञान देव जी महाराज एक वर्ष से कन्याकुमारी से कश्मीर तक की यात्रा पर थे। आचार्य जी भी विदेश में भक्तों को जगाने के लिए आध्यात्मिक यात्रा पर निकले थे। यह संदेश देता है कि चुपचाप नहीं बैठना है, बल्कि एक कार्य पूरा हुआ तो अगले कार्य की शुरुआत करनी है और हर काम देश–सनातन धर्म के नाम है।

मुर्मु ने रायरंगपुर में विकास परियोजनाओं की आधारशिला रखी

भुवनेश्वर। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने ओडिशा की पांच दिवसीय यात्रा के अंतिम दिन शनिवार को रायरंगपुर में तीन नयी रेलवे लाइनों तीन रेल लाइनों बांगिरिपोसी–गोरुमहिसानी, बुरामारा–चाकुलिया और बादामपहाड़–केंदुझारगढ़ लाइन की आधारशिला रखी। सुश्री मुर्मु ने वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए आदिवासी अनुसंधान एवं विकास केंद्र, दंडबोस हवाई अड्डे के उन्नयन और रायरंगपुर उप–मंडल अस्पताल में एक नये ब्लॉक के निर्माण की भी आधारशिला रखी। इस अवसर पर राष्ट्रपति ने अपने संबोधन में विश्वास जताया कि रेल परियोजनाएं और हवाई अड्डा क्षेत्र में परिवहन, वाणिज्य और व्यापार को बढ़ावा देंगे तथा 100 बिस्तरों वाली सुविधा वाला नया अस्पताल भवन स्थानीय लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा। उन्होंने कहा कि ओडिशा भारत सरकार के पूर्वोदय दृष्टिकोण से लाभान्वित हो रहा है। शिक्षा, कौशल विकास, स्वास्थ्य, पर्यटन संपर्क और परिवहन सुविधाओं सहित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से पूरे क्षेत्र के विकास को गति दी जा रही है। आदिवासी बच्चों को शिक्षित करने के लिए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं। उन्हें यह जानकर खुशी हुई कि ओडिशा में 100 से अधिक नए एकलव्य मॉडल आवासीय विद्यालय स्थापित किए जा रहे हैं, जिनमें मयूरभंज जिले के 23 स्कूल शामिल हैं। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि उन स्कूलों से शिक्षा प्राप्त करने के बाद, आदिवासी बच्चे समाज और देश की प्रगति में गुणवत्तापूर्ण योगदान दे सकेंगे। राष्ट्रपति ने कहा, " मुझे हमेशा इस धरती की बेटी होने पर गर्व रहा है। जिम्मेदारियों और व्यस्त कार्यक्रमों ने मुझे कभी भी अपने जन्मस्थान और यहां के लोगों से दूर नहीं किया , बल्कि लोगों का प्यार उन्हें अपनी ओर खींचता रहता है। मातृभूमि मेरे विचारों और कार्यों में बनी हुई है। इस क्षेत्र के लोगों का शुद्ध और गहरा स्नेह हमेशा मेरे मन में गूंजता है।"

परोपकार के मूल्यों से राष्ट्र को प्रेरित करता है गुजरात– शाह

अहमदाबाद। केंद्रीय गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह ने शनिवार को यहां कहा कि गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट जैसे संगठन कल्याणकारी राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं और राज्य अपनी सेवा और परोपकार के मूल्यों से राष्ट्र को प्रेरित करता रहता है।" श्री शाह ने गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट के 34 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आज मनाए गए लोकसेवा के उत्सव पर कहा, "गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट अपने 35वें वर्ष में प्रवेश कर रहा है, मैं ट्रस्टियों को उनके नेक और निस्वार्थ प्रयासों के लिए हार्दिक बधाई देता हूँ। मैं आज इस संगठन द्वारा किए जा रहे उल्लेखनीय कार्यों की सराहना करता हूं। जैसा कि स्वामी विवेकानंद ने कहा था, सच्चा ज्ञान दूसरों की सेवा करने के लिए खुद से ऊपर उठने में निहित है। यह ट्रस्ट सेवा और करुणा की इसी भावना का उमदा उदाहरण है।" उन्होंने इस अवसर पर भारतीय संविधान का मसौदा तैयार करने वाली समिति द्वारा परिकल्पित जन कल्याण के लिए केंद्र सरकार की प्रतिबद्धता को भी दोहराया और कहा कि वर्ष 2014 में नरेंद्र मोदी के प्रधानमंत्री बनने के बाद से सरकार ने नागरिकों को आवास, भोजन, स्वास्थ्य सेवा और शिक्षा जैसी बुनियादी सुविधाएँ सुनिश्चित करने के लिए कई पहल की हैं। उन्होंने कहा,"इन पहलों ने पिछले दस वर्षों में 25 करोड़ लोगों को गरीबी से बाहर निकाला है। हालांकि, मेरा दृढ़ विश्वास है कि सरकार अकेले यह लक्ष्य हासिल नहीं कर सकती। कई ट्रस्टों और व्यक्तियों ने इसे साकार करने में योगदान दिया है।" केंद्रीय गृह मंत्री ने सेवा के प्रति गुजरात के गहरे मूल्यों की भी सराहना की तथा प्रति व्यक्ति रक्तदान, धर्मार्थ स्वास्थ्य सुविधाओं तथा अंग एवं नेत्रदान में गुजरात के नेतृत्व पर भी प्रकाश डाला। उन्होंने कहा,"गुजरात अपनी सेवा और परोपकार के मूल्यों से राष्ट्र को प्रेरित करता रहता है। गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट जैसे संगठन कल्याणकारी राज्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।" गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट के ट्रस्टी रोहन गुप्ता ने कहा,"34 वर्षों की यह यात्रा करुणा और सेवा की शक्ति को दर्शाती है। हम हर साल 20–25 हजार लाभार्थियों की पहचान करते हैं और उनकी सहायता करते हैं। पिछले दो वर्षों में, हमने दो लाख से ज्यादा लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने में मदद की है। अपने 35वें वर्ष में कदम रखते हुए, हम वृद्ध, विद्यार्थी, विकलांग, विधवा और वंचित लोगों के उत्थान के लिए अपने प्रयासों को जारी रखने और एक सार्थक बदलाव लाने के लिए और भी अधिक दृढ़ संकल्पित हैं।" उन्होंने कहा कि राजकुमार गुप्ता और सुरेखा गुप्ता द्वारा वर्ष 1990 में स्थापित गुजरात लोकसेवा ट्रस्ट जरूरतमंदों को सहायता प्रदान करने की दिशा में निस्वार्थ भाव से काम कर रहा है।

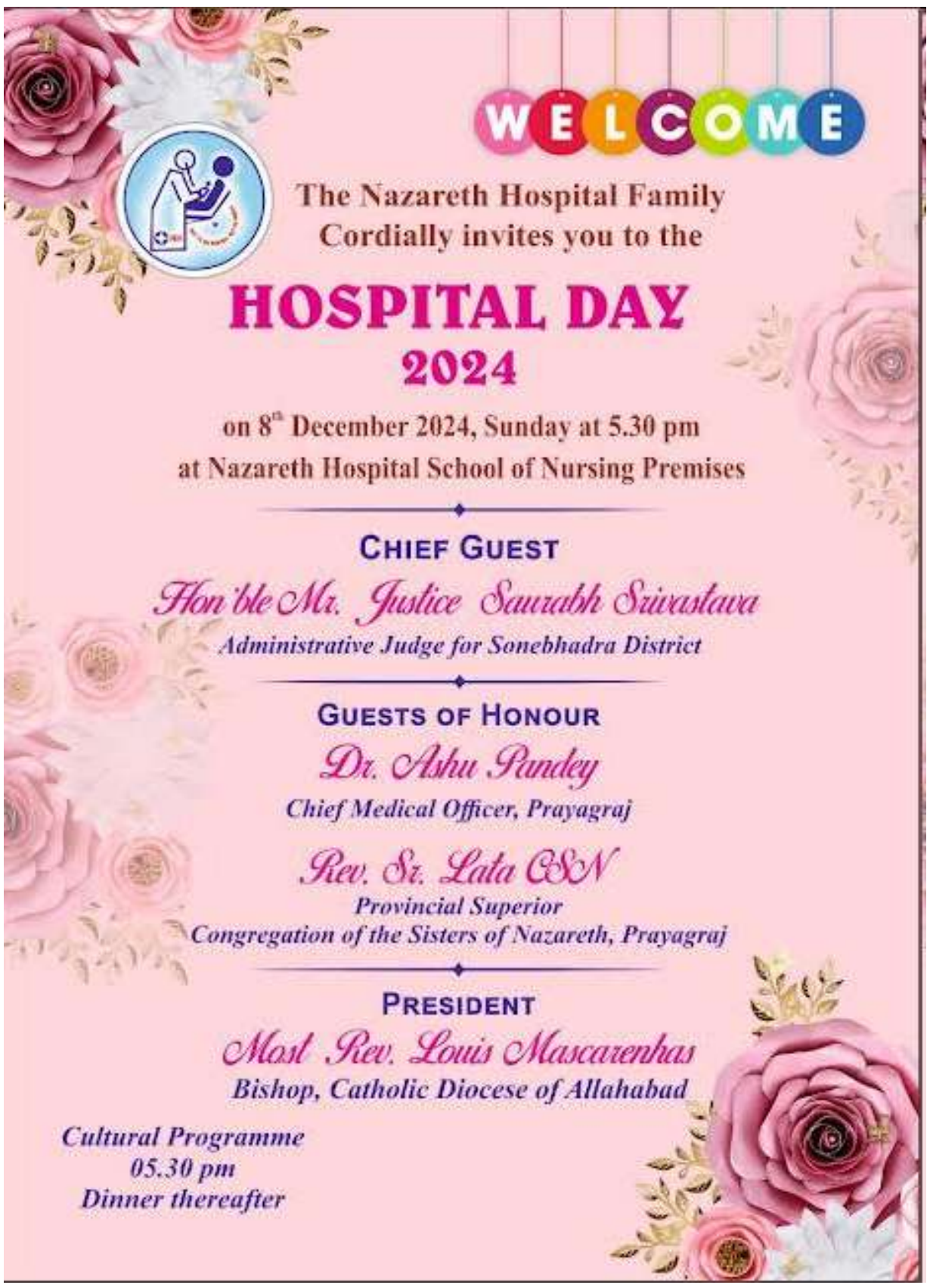

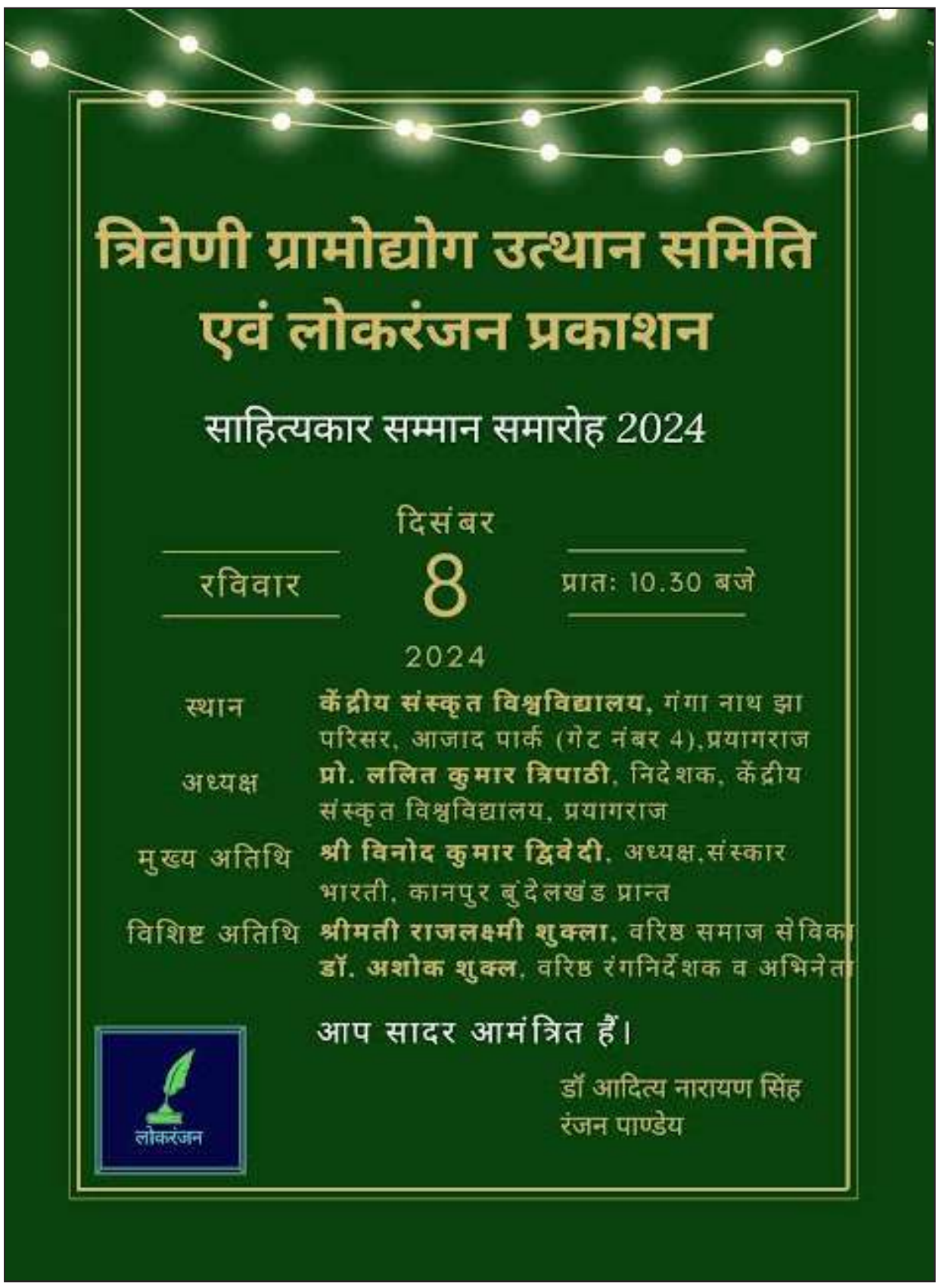

सराय ममरेज में दर्दनाक हादसा, दो मोटर साइकिलों की भिड़ंत में तीन की मौत, तीन लोग गंभीर रूप से घायल

प्रयागराज। दो बाइक की भिड़ंत में तीन युवकों की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। दोनों बाइक पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर ले जाया गया, जहां से गंभीर अवस्था में डॉक्टरों ने प्रयागराज रेफर कर दिया। फूलपुर क्षेत्र के प्रतापपुर खुर्द के रहने वाले राहुल यादव (25) अपने साथी चंचल (17) निवासी प्रतापपुर, विजय (25) निवासी जंघई के साथ बाइक से मियां का पूरा की तरफ जा रहे थे। जबकि फूलपुर की ओर से बाइक सवार सनी कुमार (24) निवासी बौड़ई, विकास कुमार (25) व मनजीत कुमार (20) निमंत्रण से घर लौट रहे थे। शुक्रवार रात करीब 9रू30 बजे दोनों बाइक की सराय ममरेज थाना क्षेत्र के सेमरी के सामने भिड़ंत हो गई। हादसे में प्रतापपुर खुर्द गांव के राहुल यादव (25), बौड़ई निवासी सनी कुमार (24) और मनजीत कुमार (20) मौके पर ही मौत हो गई। वहीं दोनों बाइक पर सवार प्रतापपुर निवासी चंचल, जंघई निवासी विजय, बौड़ई गांव निवासी विकास कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना के बाद पुलिस ने ग्रामीणों घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर में भर्ती कराया। ड्यूटी पर तैनात डॉ. मनोज कुमार गुप्ता ने बताया कि गंभीर अवस्था में सभी घायलों को स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल रेफर कर दिया गया है। सराय ममरेज और फूलपुर पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। तेज रफ्तार और ट्रिपलिंग हादसे की वजह सराय ममरेज के सेमरी के सामने शुक्रवार रात तीन की मौत और तीन युवकों के गंभीर रूप से घायल होने के बाद घटनास्थल पर मौजूद ग्रामीणों के मुताबिक बाइक की रफ्तार काफी तेज थी और तीन–तीन लोग बाइक पर सवार थे। रफ्तार का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि दोनों बाइकों के परखच्चे उड़ गए हैं। हेलमेट पहने होते तो बच सकती थी जान शुक्रवार रात फूलपुर–वारी मार्ग पर सेमरी गांव के सामने दर्दनाक हादसे के बाद घटनास्थल पर मौजूद लोग इस बात की चर्चा करते रहे कि यदि बाइक सवार युवक हेलमेट पहने होते तो शायद उनकी जान बच सकती थी।

अधिवक्ता के हत्यारों की गिरफ्तारी न होने पर भड़के वकील, सीएम योगी से मिलने पर अड़े

प्रयागराज। अधिवक्ता अखिलेश शुक्ला हत्याकांड के मुख्य आरोपी अतुल प्रताप सिंह की गिरफ्तारी न होने के विरोध में

म्योहाल चौराहे वकीलों ने प्रदर्शन किया। अधिवक्ता मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का काफिला रोककर पत्रक देने की मांग पर अड़े रहे। इस दौरान वकीलों ने जमकर नारेबाजी भी की। वकीलों के प्रदर्शन के चलते पुलिस प्रशासन के हाथ पांव फूल गए। मौके पर पहुंचे पुलिस कमिश्नर ने जल्द से जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन देकर वकीलों का गुस्सा शांत कराया। मुख्यमंत्री का हेलीकॉप्टर पुलिस लाइन ग्राउंड पर उतरने के बाद बड़ी संख्या में अधिवक्ता मेयो हाल स्थित महाराणा प्रताप चौराहे पर पहुंच गए। इसी रास्ते से सीएम योगी का काफिला गुजरने के चलते पुलिस प्रशासन के हाथ पांव फूल गए। अधिवक्ताओं का कहना है कि अधिवक्ता अखिलेश शुक्ला की हत्या के कई दिनों बाद भी मुख्य आरोपी पुलिस की पहुंच से दूर है। अधिवक्ता मुख्यमंत्री का काफिला रोककर पत्रक देने की मांग पर अड़े थे। पुलिस कमिश्नर ने जल्द गिरफ्तारी का आश्वासन दिया। इसके बाद अधिवक्ता शांत हुए।

धूमनगंज से सिविल लाइंस तक बाइकर्स गैंग का आतंक, अब दिनदहाड़े महिला से चेन छीनी

प्रयागराज। शहर में बाइकर्स गैंग ने चेन लूट की ताबड़तोड़ घटनाओं से आतंक मचा रखा है। प्रीतमनगर में शुक्रवार को सरेशाम महिला के गले से चेन खींचकर बदमाश भाग निकले। इससे पहले एयरपोर्ट क्षेत्र में शिक्षिका से दिनदहाड़े 18 हजार नकदी भरा पर्स छीनकर बाइकसवार बदमाश भाग निकले थे। उधर, सिविल लाइंस में राह चलते मोबाइल लूट करने वालों पर भी मुकदमा दर्ज किया गया है। पूजा सिंह प्रीतम नगर की रहने वाली हैं। वह शुक्रवार को शाम छह बजे के करीब सामान लेने बाजार जा रही थीं। विवेकानंद चौराहे के पास बाइक से आए बदमाश उनके गले से सोने की चेन खींचकर भाग निकले। उन्होंने शोर मचाया तो आसपास के लोगों की नजर पड़ी। हालांकि, तब तक बदमाश भाग चुके थे। इससे पहले तीन दिसंबर को बाइक सवार दो बदमाशों ने ही स्कूल से लौट रही शिक्षिका से एयरपोर्ट थाना क्षेत्र में नकदी भरा पर्स छीना था। साबिस्ता परवीन घुंघरू मार्केट, साहू चौराहे के पास रहती हैं। वह महामाया गर्ल्स इंटर कॉलेज मखऊपुर चायल कौशाम्बी में शिक्षिका हैं। दोपहर 3रू30 बजे के करीब वह ऑटो से घर लौट रही थीं। ऑटो ट्रिपलआईटी रोड झलवा तिराहे के पास पहुंची थी कि तभी बाइकसवार दो युवक आए। इनमें से पीछे बैठे बदमाश ने उनके हाथ से बैग छीन लिया और फिर दोनों भाग निकले। बैग में नकदी के अलावा मोबाइल, दो छोटे पर्स, चाबी व जरूरी कागजात भी थे। धूमनगंज व एयरपोर्ट थाना पुलिस लुटेरों की तलाश में जुटी हुई है। सिविल लाइंस में फायर ब्रिगेड चौराहे के पास मोबाइल लूट की घटना की रिपोर्ट 19 दिन बाद दर्ज की गई है। मूल रूप से करछना निवासी जगत नारायण सिविल लाइंस में रहते हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि 17 नवंबर की रात वह नैनी से टैक्सी से जानसेनगंज चौराहे पर पहुंचे और वहां से पैदल ही सिविल लाइंस जाने लगे। रात 11 बजे के करीब वह फायर ब्रिगेड के पास पहुंचे थे तभी बाइकसवार दो युवक आए और झपट्टा मारकर उनका फोन छीनने के बाद भाग निकले।

प्रयागराज में ही होंगे द्वादश ज्यातिर्लिंग के दर्शन, नगर निगम की ओर से बनाया जा रहा शिवालय पार्क

प्रयागराज। महाकुंभ में आप द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन प्रयागराज में ही कर सकेंगे। नगर निगम की ओर से नैनी में बनाए जा रहे शिवालय पार्क में यह साकार हो सकेगा। महाकुंभ से पहले ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी इसका लोकार्पण करेंगे, जबकि इससे पहले शनिवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ निरीक्षण करेंगे। द्वादश ज्योतिर्लिंग भगवान शिव के प्रमुख और पवित्र स्थानों को दर्शाते हैं। इनके दर्शन हर शिवभक्त का सपना होता है। यूपी, गुजरात, आंध्र प्रदेश, मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, महाराष्ट्र, तमिलनाडु, झारखंड में स्थित अलग–अलग ज्योतिर्लिंग के दर्शन करना आसान नहीं है, लेकिन अब प्रयागराज में ही द्वादश ज्योतिर्लिंग के दर्शन श्रद्धालुओं को हो सकेंगे। करीब 18 करोड़ की लागत से 11 एकड़ में नगर निगम की ओर से शिवालय पार्क तैयार किया जा रहा है, जहां द्वादश ज्योतिर्लिंग समेत 21 मंदिरों के दर्शन होंगे। इसके अलावा नंदी की भी विशालकाय प्रतिमा बनाई गई है। शिवालय पार्क में भारत के नक्शे के आकार की झील भी तैयार हो रही है। इसमें पर्यटकों के लिए बोटिंग की भी सुविधा उपलब्ध होगी। पार्क में कई अन्य तरह की भी सुविधाएं होंगी। शिवालय पार्क का अधिकतर कार्य पूर्ण हो चुका है और निगम की ओर से 10 दिसंबर तक इसे फाइनल करने के दावे किए गए हैं।

महाकुंभ की तैयारियों को परखने के लिए प्रयागराज पहुंचे सीएम योगी, सुरक्षा चाक चौबंद

प्रयागराज। महाकुंभ के कार्यों को परखने और पीएम मोदी के आगमन के मद्देनजर चल रही तैयारियों का जायजा लेने के लिए मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ शनिवार को प्रयागराज पहुंचे। वह पांच घंटे से अधिक समय तक यहां रहकर विभिन्न परियोजनाओं का स्थलीय निरीक्षण करने के साथ ही मोदी के प्रस्तावित सभास्थल पर भी गए। मुख्यमंत्री का हेलिकॉप्टर वाराणसी से चलकर करीब डेढ़ बजे पुलिस लाइन में उतरा। यहां से वह सर्किट हाउस पहुंच गए हैं और महाकुंभ एवं प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की तैयारियों की समीक्षा कर रहे हैं। पार्टी पदाधिकारियों संग भी बैठक कर प्रधानमंत्री के कार्यक्रम की रूपरेखा तय की। इसके बाद वह अलोपीबाग फ्लाईओवर, सड़क का निरीक्षण किया। महाकुंभ क्षेत्र के सेक्टर एक में बन रहे पब्लिक एकोमेडेशन सेंटर तथा मेला प्रशासन के अस्थाई कार्यालय का उद्घाटन भी किया। इसी क्रम में संगम क्षेत्र में बने खोया–पाया केंद्र का भी उद्घाटन किया। संतों संग बात करेंगे मुख्यमंत्री, दूर होगी नाराजगी शनिवार को प्रयागराज आ रहे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ अखाड़ों तथा अन्य संस्थाओं के संतों संग वार्ता करेंगे। मेला प्रशासन के अस्थाई कार्यालय के सभागार में करीब 45 मिनट तक वार्ता चलेगी। जमीन आवंटन एवं सुविधाओं समेत कई अन्य बिंदुओं को लेकर संतों में नाराजगी है। इसके अलावा अखाड़ों तथा अन्य संस्थाओं के बीच खींचतान जारी है। मुख्यमंत्री के साथ बैठक में इन सभी बिंदुओं पर चर्चा होने तथा संतों की नाराजगी दूर होने की उम्मीद है।

सीआरबी ने जंघई जंक्शन का किया निरीक्षण, टूटी टाइल्स देखकर ठेकेदार पर भड़के

प्रयागराज। सतीश कुमार चेयरमैन रेलवे बोर्ड नई दिल्ली ने जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया इस दौरान कार्य मे लापरवाही बरतने ठेकेदार पर भड़के तथा टूटी टाइल्स देख स्टेशन अधीक्षक से सवाल पूछा कहा कब ठीक होगा। चेयरमैन रेलवे बोर्ड नई दिल्ली सतीश कुमार ने जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन का निरीक्षण किया। विशेष सैलून से सुबह करीब साढ़े नौ बजे स्टेशन पर पहुंचने के बाद सर्कुलेटिंग एरिया, आरपीएफ जीआरपी के थाना, प्लेटफार्म नंबर एक दो तीन चार और पांच का निरीक्षण किया। इस दौरान सर्कुलेटिंग एरिया पर पुराना पावर हाउस हटाने का निर्देश दिया, जिससे सर्कुलेटिंग एरिया का विस्तार हो सके। प्लेटफार्म नंबर एक पर बिछ रही रेलवे लाइन का निरीक्षण किया। पुराने आरक्षण काउंटर को हटाकर नया बनाने का निर्देश दिया और पुरानी पावर केबिन जल्दी हटाने के लिए कहा। इस दौरान प्लेटफार्म नंबर एक पर टूटी टाइल्स देख कर संबंधित ठेकेदार को फटकार लगाई तथा स्टेशन अधीक्षक कोमल सिंह से टूटने का कारण पूछा। तब एसएस ने काम में लगे टैक्टर से टूटने की बात बताई तब उन्होंने जल्द ठीक कराने का निर्देश दिया। यार्ड रिमॉडलिंग के तहत कराए जा रहे कार्य के धीमा होने पर नाराजगी जताई तथा स्टेशन पर अमृत भारत योजना के तहत हो रहे कार्यो को तेज गति से करने का निर्देश दिया। उनका सैलून 10.50 पर फाफामऊ के लिए रवाना हो गया। रेलवे बोर्ड के चौयरमेन सतीश कुमार करीब एक घंटा 20 मिनट तक जंघई जंक्शन रेलवे स्टेशन पर रुके रहे। उनके साथ डीआरएम लखनऊ शचीन्द्र मोहन शर्मा के साथ अन्य अधिकारी तथा स्टेशन अधीक्षक कोमल सिंह, सीएमआई आनंद कुमार श्रीवास्तव, पीड्ब्लूआई ज्ञानेंद्र मिश्रा, आरपीएफ प्रभारी जंघई दीपक कुमार, जीआरपी प्रभारी प्रमोद कुमार यादव, विद्युत इंचार्ज नीरज कुमार तथा दिनेश पांडेय आदि मौजूद रहे।

भाई-चारे का महाकुंभ : बर्फीली ठंड में भीगते श्रद्धालुओं के लिए रकीब चाचा ने खोल दिया था मकान

प्रयागराज। बात 1978 के महाकुंभ की है। बर्फीली सर्दियों के बीच मौनी अमावस्या के आसपास कई दिन मूसलाधार बारिश हुई। संतों के पंडाल तक पानी भर गया। श्रद्धालुओं के छुपने की भी जगह न थी। कुंभ संस्कृति में पले–बढ़े युवा रकीब खान ने घर का एक तल खाली करा दिया। वो दौर याद कर आज रकीब चाचा (69) भावुक हो उठते हैं। महाकुंभ में सद्भभाव की बारिश के किस्से अंतहीन हैं। लेकिन, कुछ साधु–संतों की ओर से मुस्लिमों के महाकुंभ में प्रवेश पर रोक लगाने की मांग से झूंसी में गंगा किनारे बसे परिवार आहत हैं। महाकुंभ की संस्कृति में रचे–बसे इन परिवारों में मेले को लेकर अलग ही उत्साह दिखाई देता है। यह लोग महाकुंभ के दौरान देश के कोने–कोने से आए लाखों श्रद्धालुओं की दशकों से सेवा करते रहे हैं। तैयारी इस बार भी यही है। इनका कहना है कि हम तो अमन–चौन और गंगा–जमुनी तहजीब का पैगाम देते आए हैं क्योंकि कुंभ मेले में हमारी भी पूरी आस्था है। झूंसी से सटे गांव कोहना निवासी कपड़ा व्यापारी रकीब खान 1978 के महाकुंभ में भाई–चारे का किस्सा सुनाते हुए भावुक हो उठते हैं। बताते हैं, मौनी अमावस्या पर मूसलाधार बारिश हुई थी। साधु–संतों के शिविरों तक पानी भर गया था। देशभर से आए श्रद्धालुओं के पास बचने की कोई जगह न थी। बात अब्बा तक पहुंचाई तो उन्होंने तुरंत मकान का निचला हिस्सा खुलवा दिया। श्रद्धालुओं के लिए खाने–पीने का इंतजाम भी किया। बदले में हमें खूब दुआएं मिलीं। सेवानिवृत्त शिक्षक एखलाक हुसैन (73) भी यादों के पन्ने उलटते हैं। कहते हैं, बचपन में दोस्तों के साथ साधु–संतों के शिविरों में रोजाना ही भंडारा खाते थे। शाम को घंटों मेला घूमते। यहीं के अतीक अहमद लालू (70) और शमीम ठाकुर (65) कहते हैं, तब साधु–संत प्रेम और सद्भभाव के साथ पास बैठाते थे। अब दूर भगाने बातें हो रही हैं। झूंसी। रकीब चाचा और एखलाक हुसैन बताते हैं कि 1978 के महाकुंभ में ठंड लगने से बस्ती के एक मकान में ठहरे श्रद्धालु की मौत हो गई थी। सूचना कुंभ मेला प्रशासन को दी गई, लेकिन कोई आया नहीं। फिर, बस्ती के लोगों ने ही छतनाग घाट पर श्रद्धालु की अंत्येष्टि की थी। झूंसी। कोहना निवासी खुर्शीद मियां बताते हैं कि बिहार के सासाराम जिले के श्रद्धालु ब्रजलाल कुंभ–महाकुंभ या माघ मेले के बहाने हर साल प्रयागराज आते थे। वे संगम की रेती पर बने शिविरों में नहीं, बल्कि गांव के मेहंदी हसन के घर पर सपरिवार रुका करते थे। 2009 में मेहंदी हसन के इंतकाल से पहले तक यही सिलसिला चला।

जिला कृषि अधिकारी ने मारा छापा, हड़कंप

गंगापार। शुक्रवार को जिला कृषि अधिकारी प्रयागराज के के सिंह ने अपनी टीम के साथ बारा क्षेत्र के जसरा,गौहनिया कस्बों में चल रही बीज,खाद की दुकानों पर छापा मारा। इससे व्यापारियों में हड़कंप मचा रहा। तीन दुकानों से जांच के लिए सेंपल भेजा गया है। रबी फसलों की बोआई के लिए कृषकों को गुणवत्तायुक्त तथा निर्धारित मूल्य पर बीज की उपलब्धता सुनिश्चित कराए जाने के उद्देश्य से उत्तर प्रदेश शासन के निर्देश पर जिलाधिकारी प्रयागराज के आदेश से बीज निरीक्षकों की गठित संयुक्त टीम के साथ बारा तहसील में जिला कृषि अधिकारी के.के. सिंह ने क्षेत्र में स्थित शीर्ष संस्थाओं निजी क्षेत्र के थोक स्टॉकिस्ट एवं फुटकर विक्रेताओं के प्रतिष्ठानों एवं गोदामों पर छापा डाला एवं निरीक्षण किया। बताया गया कि बारा तहसील से तीन नमूने लेकर परीक्षण के लिए प्रयोगशाला में भेजा गया है और संबंधित दुकानदारों को कारण बताओं नोटिस जारी किया गया है। बीज प्रतिष्ठानों एवं गोदामों पर स्टॉक पंजिका वितरण रजिस्टर तथा प्रतिष्ठान से संबंधित अभिलेख की भी जांच की गई ।

महाकुंभ में संगम तट पर आकाश से होगी पुष्प वर्षा, घाटों पर की जा रही विशेष तैयारी

प्रयागराज। महाकुभ में पिछले वर्ष की तरह इस बार भी स्नान पर्वों के दौरान साधु–संतों और श्रद्धालुओं पर आकाश से पुष्पवर्षा की तैयारी है। इसके लिए मेला प्रशासन की ओर से आवश्यक

इंतजाम किए जा रहे हैं। इससे पहले भी कुंभ, माघ मेला समेत कई धार्मिक कार्यक्रमों के दौरान श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा का कार्यक्रम होता रहा है। मंडलायुक्त विजय विश्वास पंत ने बताया कि उत्तर प्रदेश में कई धार्मिक आयोजनों के दौरान हेलिकॉप्टर से श्रद्धालुओं, साधु और संतों पर पुष्प वर्षा की जाती रही है। इसके अनुरूप महाकुंभ 2025 में भी इस परंपरा का निर्वहन किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सामान्यतः संगम नोज पर पुष्प वर्षा किए जाने की परंपरा रही है, लेकिन इस बार चूंकि अधिक संख्या में श्रद्धालु रहेंगे तो ऐसे में संगम नोज के साथ–साथ अन्य सभी घाटों पर भी पुष्प वर्षा को लेकर चर्चा चल रही है। जल्द ही इस संबंध ा में पूर्ण कार्ययोजना तैयार कर ली जाएगी। इससे पहले कुंभ के दौरान पवित्र स्नान पर्व हों या फिर माघ मेला या कांवड़ यात्रा। पुष्प वर्षा के माध्यम से आस्था को नमन किया जाता रहा है। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश में श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा सनातन संस्कृति व आस्था को नमन करने का प्रतीक बन गया है। 2019 कुंभ के दौरान भी मौनी अमावस्या के दिन संगम तट पर आस्था की डुबकी लगाने पहुंचे श्रद्धालुओं पर पुष्प वर्षा की गई थी। उस समय सोशल मीडिया पर यूपी में पुष्प वर्षा हैशटैग काफी ट्रेंड हुआ था।

ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेगा यह महाकुंभ, चलाएंगी कैफिटेरिया और कैंटीन

प्रयागराज। संगम तट पर लगने वाला महाकुंभ ग्रामीण महिलाओं के लिए रोजगार के नए द्वार खोलेगा। इसके तहत स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को न सिर्फ स्टॉल दिये जाएंगे, बल्कि वे कैफेटेरिया, कैंटीन और श्री अन्न के काउंटर भी

संचालित करतीं नजर आएंगी। राज्य आजीविका मिशन से जुड़ी ग्रामीण क्षेत्र की स्वयं सहायता समूह की महिलाओं को महाकुंभ क्षेत्र में विभिन्न स्टॉल और दुकानें आवंटित की जाएंगी। राज्य आजीविका मिशन की तरफ से इसकी पूरी योजना तैयार की गई है, जिसमें ग्रामीण महिलाओं को ही लगाया जायेगा।उपायुक्त एनआरएलएम राजीव कुमार सिंह बताते हैं कि मेला क्षेत्र में ग्रामीण महिलाओं को पांच कैंटीन संचालित करने की जिम्मेदारी देने की योजना है। मेला क्षेत्र के प्रत्येक सेक्टर में इन महिलाओं को 10 दुकानें देने के लिए प्रस्ताव कुंभ मेला प्राधिकरण को भेजा गया है। इसके अलावा मेले की सरस हाट में भी 40 से अधिक दुकानें इन ग्रामीण महिलाओं को आवंटित करने का अनुरोध किया गया है। इससे पांच हजार से अधिक ग्रामीण महिलाओं को प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोजगार मिलेगा। महाकुंभ क्षेत्र में जो महिलाएं दुकान या स्टॉल लगाएंगी उनके उत्पाद को इस तरह से तैयार कराया जा रहा है कि इससे प्रयागराज महाकुंभ की ब्रांडिंग भी हो। उपायुक्त एनआरएलएम राजीव कुमार सिंह के मुताबिक, महिलाओं के लिए आवंटित इन स्टॉलों में बहु उपयोगी वस्तुओं के रखने की योजना है। महाकुंभ के समय सर्दी रहेगी, ऐसे में सर्दी से बचाने वाले मफलर बनाए जा रहे हैं, जिसमें महाकुंभ का लोगो और स्लोगन लिखा होगा। एकलव्य आजीविका महिला समूह की नेहा निषाद बताती हैं कि उनकी समूह की महिलाएं ये उत्पाद तैयार कर रही हैं जिसमें कुंभ के लोगो प्रिंट किए जाएंगे। प्रसाद के लिए तैयार हो रही डलियों में रखे गए अंगवस्त्रम में भी महाकुंभ का लोगो और स्लोगन होगा। राष्ट्रीय आजीविका मिशन की तरफ से श्रीअन्न के काउंटर भी महाकुंभ मेला क्षेत्र में लगाए जाने की योजना हैं। मेला क्षेत्र में एक कैफिटेरिया और पांच कैंटीन खोली जाएंगी, उसमें नाश्ते और खाने में श्रीअन्न के उत्पाद रखे जाएंगे। नारी शक्ति प्रेरणा संकुल समिति की अध्यक्ष चिंता देवी बताती हैं कि श्रीअन्न के जौ, ज्वार, बाजरा और देशी गुड़ से विभिन्न उत्पाद तैयार किए जा रहे हैं जिन्हें महाकुंभ में स्टॉल पर रखा जाना है।

कार्यक्रम में भौकाल दिखाने को करवाई पुलिस तैनात, जाना पड़ा जेल, ऐसे पकड़ा गया शातिर ठग

प्रयागराज। प्रयागराज में खुद को पीएमओ का अफसर बताकर पुलिस अधिकारियों को अवार्ड, चार्ज दिलाने, युवक–युवतियों को नौकरी दिलाने के नाम पर ठगी और शोषण करने वाले जालसाल को स्वॉट टीम के सहयोग से देहात कोतवाली एसओ ने गिरफ्तार कर लिया। उसके पास से 2 फर्जी आईडी, 2 मुहर, 4 मोबाइल, 1 चेकबुक और थार गाड़ी बरामद कर उसे जेल भेज दिया गया। आसपुर देवसरा के रघईपुर रेंड़ी गारापुर निवासी 31 वर्षीय जयप्रकाश पाठक महीने में 4–6 दिन ही जिले में आता था। वह थानेदारों सहित अन्य पुलिस अधिकारियों से खुद को पीएमओ कार्यालय में सपोर्ट स्टॉफ असिस्टेंट सेक्रेटरी बताकर रौब दिखाता था। साथ ही थानेदारों को गैलेंट्री पदक, प्रमोशन और मनचाहे थाने का चार्ज दिलाने का प्रमोशन देकर अनुचित लाभ लेता रहा। जिले के थानेदारों को लालच दिया तो उसकी मॉनीटरिंग की जाने लगी। उसकी हकीकत जानने के बाद स्वॉट टीम प्रभारी सुनील यादव और देहात कोतवाली एसओ अभिषेक सिंह सिरोही ने उसे शुक्रवार सुबह भुपियामऊ ओवरब्रिज के नीचे थार गाड़ी में जाते हुए पकड़ लिया। उसके पास से केंद्रीय गृह मंत्रालय, पीएमओ कार्यालय के सपोर्ट स्टॉफ आफीसर सेक्रेटरी का 2 फर्जी आईडी कार्ड, 2 मुहर फर्जी, 4 मोबाइल फोन, 1 बैंक चेक और 5200 रुपये नकद बरामद किया गया। पुलिस ने उसे गिरफ्तार कर उसकी गाड़ी सीज कर दी।

राष्ट्र विकास में साधक होगा शिक्षा में सुधार : राजेश यादव

उन्मुखीकरण कार्यशाला में पंचायत,नगर निकाय प्रतिनिधियों व प्रधानाध्यापकों ने किया प्रतिभाग।
ब्लॉक के उत्कृष्ट शिक्षकों व ग्राम प्रधानों को किया गया सम्मानित।
उरुवा में शिक्षा गुणवत्ता के लिए एक दिवसीय संगोष्ठी व उन्मुखीकरण कार्यशाला संपन्न।

मेजा। क्षेत्र के विकास खंड उरुवा के समस्त ग्राम प्रधानों, प्राधिकारी निकाय के सदस्यों, प्रधानाध्यापक और नोडल शिक्षकों को लेकर एक दिवसीय ब्लॉक स्तरीय संगोष्ठी एवं उन्मुखीकरण कार्यशाला का आयोजन वृंदावन गेस्ट हॉउस में शनिवार को बड़े भी भव्य एवं सुंदर ढंग से संपन्न हुआ। इस कार्यशाला का उद्देश्य बेसिक शिक्षा विभाग की योजनाओं को जन–जन तक पहुँचाना और उनकी प्रभावशीलता को सुनिश्चित करना है। प्रदेश के बेसिक शिक्षा विभाग द्वारा परिषदीय शिक्षा सुधार के लिए पंचायत प्रतिनिधियों से अपेक्षित सहयोग के लिए संगोष्ठी के जरिये उन्मुखीकरण कार्यशाला पर जोर दिया गया। संगोष्ठी में समर्थ एवं शारदा कार्यक्रम को वरीयता दी गई। कार्यशाला के शुभारंभ के अवसर पर अतिथि के रूप में उपस्थित बीडीओ उरुवा मनोज कुमार व एडीओ (एस.टी),उरुवा के साथ खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा राजेश यादव ने माँ सरस्वती की प्रतिमा पर माल्यार्पण व दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुवात की। संगोष्ठी कार्यशाला में संविलियन विद्यालय चौकी के बच्चों के द्वारा सरस्वती वंदना और स्वागत गीत प्रस्तुत किया गया। पूर्व माध्यमिक विद्यालय नरवर चौकठा,औता के स्काउट गाइड के बच्चों के द्वारा स्वागत बैंड के साथ अतिथि का स्वागत बड़े ही धूमधाम से किया गया। कार्यशाला कार्यक्रम के आयोजक खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा राजेश यादव ने कार्यक्रम के मुख्य अतिथि बीडीओ उरुवा को बुके,अंग वस्त्र व स्मृति चिन्ह भेंट कर उनका स्वागत एवं अभिनन्दन किया। संगोष्ठी कार्यशाला में टी.एल.एम. प्रदर्शनी,जिसमें प्राथमिक विद्यालय रामनगर द्वितीय, प्रा.वि.कोटहा व प्रा.वि.बिजौरा द्वारा बहुत ही सुंदर लगाई गई थी। जिसका अवलोकन अतिथियों द्वारा किया गया। संगोष्ठी कार्यशाला के दौरान ब्लॉक में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पांच ग्राम प्रधानों को,जिसमें ग्राम प्रधान समहन, ग्राम प्रधान समोगरा, ग्राम प्रधान निबैया, ग्राम प्रधान सोनाई व ग्राम प्रधान धरमपुर को खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा द्वारा सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के दौरान बीईओ उरुवा राजेश यादव ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं जैसे डीबीटी, आपरेशन कायाकल्प और निपुण भारत मिशन को समाज के हर कोने तक पहुँचाना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि आज सरकार विद्यालयों को स्मार्ट करने में किसी भी तरह से कोताही नही कर रही है। इस तरह की संगोष्ठी कार्यशालाओं को शिक्षकों और जनप्रतिनिधियों के बीच संवाद और समन्वय बढ़ाने का महत्वपूर्ण माध्यम है,जो ग्रामीण प्रतिभागियों को प्रोत्साहित करता है। उन्होंने ग्राम प्रधानों और जन प्रतिनिधियों से ऑपरेशन कायाकल्प के तहत ब्लॉक के सभी विद्यालयों को मूलभूत सुविधाओं के 19 मानकों पर संतृप्त करने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्राथमिक शिक्षक संघ उरुवा के अध्यक्ष विनोद शुक्ला ने कार्यशाला कार्यक्रम में उपस्थित सभी अतिथियों को बैच लगाकर व माल्यार्पण कर उनका स्वागत किया। संगोष्ठी कार्यक्रम के दौरान ब्लॉक के नौ उत्कृष्ट शिक्षक जिसमें प्रतिभा अवस्थी, रामसेवक, प्रेम कुमार, राजेश्वरी सिंह, सूरज कुमार, शाजिया तसनीम, गुड़िया मिश्रा, अखिलेश दुबे व दीपक गुप्ता को उनके द्वारा विद्यालय में किये गए उत्कृष्ट कार्य के लिए सम्मानित किया गया। खंड शिक्षा अधिकारी उरुवा राजेश यादव द्वारा कार्यक्रम में उपस्थित ब्लॉक के सभी ग्राम प्रधानों को स्मृति चिन्ह प्रदान कर उनका स्वागत एवं अभिनन्दन किया गया। बीआरसी उरुवा के लेखाकर कृष्ण कुमार शुक्ला ने सभी ग्राम प्रधानों को बैच व माल्यार्पण कर स्वागत किया। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित प्रधान संघ उरुवा के अध्यक्ष राजेश द्विवेदी ने कहा कि शिक्षा विभाग का यह पहला कार्यक्रम है जिसमें बीईओ उरुवा द्वारा पहली बार ब्लॉक के सभी ग्राम प्रधानों को सम्मानित किया गया है। उन्होंने बीईओ उरुवा की जमकर तारीफ भी की। कार्यक्रम के अंत मे ब्लॉक से 2025 में परिषदीय विद्यालयों के तीन सेवानिवृत्त होने वाले शिक्षक जिसमें अशोक उपाध्याय, त्रियुगी नारायण शुक्ला व अनिता मिश्रा को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन एआरपी उरुवा सुनील शुक्ला ने किया। उक्त अवसर पर ग्राम प्रधान नीरज यादव, पप्पू दुबे, मानिकचंद मिश्रा, गोरे लाल गुप्ता, रमेश गौतम, मुन्ना लाल, शर्मा लाल, जयनाथ यादव व प्रधानाध्यापक चित्रा शुक्ला, गिरीश श्रीवास्तव, प्राथमिक शिक्षक संघ के मंत्री संदीप पांडेय, राघवेंद्र सिंह, निशी, दिवाकर दत्त मिश्रा, माया पांडेय, शिप्रा किशोर, विद्या यादव, रेखा पांडेय, रविशंकर द्विवेदी, सुनील मिश्रा, संजय त्रिपाठी, रविशंकर भारतीया, नीता विश्वकर्मा, रजनी गुप्ता, प्रदीप तिवारी, गीता यादव, रमाकांत यादव, राजेश कोलहा, पुष्कर नाथ द्विवेदी, स्तुति श्रीवास्तव, कृष्ण कुमार, विजय कुमारी त्रिपाठी, माधुरी, सुनील मिश्रा, चित्रपाल सिंह, मंजू सिंह व नीलम शुक्ला तथा ज्योति बाजपेयी, नजमा खातून, मुकेश शुक्ला, संतोष दुबे, रोहित त्रिपाठी, ज्योति मिश्रा, शालिनी कुशवाहा और एआरपी राजेश मिश्रा, प्रीतम दास व विमलेश यादव आदि शिक्षक, जनप्रतिनिधि व गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहें।

मंडलायुक्त ने किया लखनऊ के हेरिटेज जोन का निरीक्षण

लखनऊ के चौराहों पर जाम से मुक्ति का अभियान

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ यातायात को सुगम बनाने और ऐतिहासिक स्थलों की सुंदरता बढ़ाने के उद्देश्य से मंडलायुक्त डॉ. रोशन जैकब ने हेरिटेज जोन और विभिन्न चौराहों का औचक निरीक्षण किया। कोनेश्वर महादेव चौराहा, चौक चौराहा, चरक चौराहा और केजीएमसी चौराहा पर उन्होंने यातायात प्रबंधन और अतिक्रमण मुक्त सुदृढ़ीकरण के निर्देश दिए। मंडलायुक्त ने हेरिटेज जोन में बड़े वाहन के संचालन पर पूर्ण प्रतिबंध की बात कही। टीले वाली मस्जिद से हुसैनाबाद छोटा इमामबाड़ा तक पर्यटकों के लिए पैदल यात्रा और गोल्फ कार्ट सुविधा की योजना का भी जायजा लिया। उन्होंने कहा कि यात्री हेरिटेज एरिया का आनंद बिना किसी व्यवधान के उठा सकें, यह सुनिश्चित किया जाएगा। निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने स्पष्ट निर्देश दिए कि भारी वाहनों का संचालन बड़े इमामबाड़ा से छोटा इमामबाड़ा तक पूरी तरह प्रतिबंधित किया जाए। अवैध पार्किंग और अतिक्रमण पर सख्त कार्रवाई करते हुए दोषियों के परमिट निरस्त करने और भारी चालान लगाने की बात कही। चौक चौराहा, चरक चौराहा और केजीएमसी चौराहा पर यातायात सुधार के लिए कार्य योजना तैयार करने के निर्देश दिए गए। मंडलायुक्त ने ब्लैक टॉप पर अवैध कब्जों और पार्किंग को तुरंत हटाने और अतिक्रमण मुक्त करने के लिए अभियान चलाने पर जोर दिया।हेरिटेज एरिया की नई सुविधाएंहेरिटेज एरिया में पार्किंग और यातायात प्रबंधन के लिए गोल्फ कार्ट, ई–रिक्शा और वाहनों के स्टैंड विकसित किए जा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया कि नई पार्किंग में 110 बेस और 140 ऑटो की क्षमता होगी। निरीक्षण के दौरान डीसीपी ट्रैफिक प्रबल कुमार सिंह, नगर आयुक्त इंद्रजीत सिंह, और एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार सहित अन्य अधिकारी भी उपस्थित थे। मंडलायुक्त ने सभी संबंधित विभागों को जल्द से जल्द कार्यवाही पूरी करने के निर्देश दिए।

परेशान किसानों ने सिंचाई मंत्री को लिखा पत्र

लखनऊ(संवाददाता)। सालों से माइनर के हेड पर गेट लगवाने एवं प्रथम साइफन नई बनवाने के लिए जिला प्रशासन और सिंचाइ विभाग से गुहार लगाने के बावजूद कार्य न होने से दर्जनों किसान परेशान है। किसानो ने अब संयुक्त हस्ताक्षरयुक्त शिकायत सिंचाई मंत्री को भेज कर माइनर के हेड पर गेट लगवाने एवं प्रथम साइफन नई बनवाने की मांग की है। किसानों को विश्वास है कि किसानों के हित के लिए कार्य कर रही प्रदेश सरकार के सिंचाई मंत्री के हस्तक्षेप से किसानों को राहत मिलेगी। किसानों ने सिंचाई मंत्री को लिखे पत्र में कहा है कि जनपद अमेठी तहसील तिलोई के अंतर्गत आने वाले शाहमऊ रजवाहा से ग्राम सभा कूरा अंतर्गत ग्राम पूरे पंडित एवं पूरे शिव सिंह के मध्य निकलने वाली मोहना माइनर सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के अधिकारियों की उपेक्षा का कई वर्षों से शिकार है। उपरोक्त माइनर मे हेड पर गेट नहीं लगा होने से जल बहाव को नियंत्रित नहीं किया जा सकता। माइनर की बाई पटरी जिस पर सर्विस रोड है काफी क्षतिग्रस्त एवं सकरी तथा गढ्ढा युक्त है। जिससे किसानों को अपने खेतों को ट्रैक्टर आदि लेकर आने–जाने में काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। जिसमें कई बार ट्रैक्टर भी पलट चुके हैं। दाहिनी पटरी हेड से लगभग 932 मीटर की दूरी पर जहां पर सबसे उपयोगी प्रथम साइफन है। साइफन सहित पटरी काफी क्षतिग्रस्त है। जिसके जल बहाव से किसानों के खेतों में पानी भरने से लगातार फसल बर्बाद हो रही है। लगभग 40 वर्ष पुरानी साइफन में हघ्यूम पाइप लगी है। संभवतः उसी समय साकेट नहीं लगाई गयी थी। जेसीबी मशीन द्वारा सिल्ट सफाई से उक्त पाइप भी संभवतःटूट गयी है। इसलिए जल बहाव हुआ करता है। साइफन में सिल्ट जमा हो गई है। जिससे आस–पड़ोस के किसानों के खेतों में पानी भर जाता है। इस संबंध में कई बार जिला स्तर पर मौखिक एवं लिखित शिकायतें की गई परंतु अभी तक कोई कार्रवाई नहीं की गई। इसलिए आवश्यकता है कि मोहना माइनर के सर्विस रोड को लेपन स्तर या सोलिंग और माइनर के हेड पर गेट एवं प्रथम साइफन नई बनवाने मांग की गई।

सेंट थॉमस मिशन स्कूल में बघीरा एडवेंचर कैंप का आयोजन

लखनऊ(संवाददाता)। सेंट थॉमस मिशन स्कूल, जानकीपुरम् में आज बच्चों के मनोरंजन तथा शारीरिक व मानसिक क्षमताओं के विकास के लिए बघीरा एडवेंचर कैंप का आयोजन किया गया। जिसमें बच्चों को अनेक स्पर्धाओं, खेल आयोजित किए गए। इन विभिन्न स्पर्धाओं में आर्चरी, वाल क्लाइबिंग, जीप लाइन, बंजी रन, ट्रैम्पुलिन , लेसर बीम, डी0 एम0 बी0 आदि शामिल थे। जिसमें बच्चों ने बहुत ही उत्साह व प्रसन्नता के साथ सभी गतिविधियों में भाग लिया। इससे पहले कैंप का उद्घ्याटन विद्यालय के प्रबंधक फादर जेसन जोसफ द्वारा किया गया। उन्होने बच्चो का उत्साहवर्धन भी किया। बच्चो ने शिक्षकों तथा ट्रेंड इन्सट्रक्टर की उपस्थिति में कैंप का खूब आंनद उठाया।

संघ कार्यालय भारती भवन में 8 दिसम्बर को शहीदी दिवस का होगा भव्य आयोजन

लखनऊ(संवाददाता)। देशभर में मुगलों के अत्याचार व उनकी निर्ममता के विरुद्ध खड़े होने की चेतना जागृत करने वाले सिखों के नौवें गुरु तेग बहादुर जी के शहीदी दिवस के अवसर पर भव्य कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्बंध में श्री गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस आयोजन समिति लखनऊ की ओर से कार्यक्रम संयोजक निर्मल सिंह जी ने बताया कि शहीदी दिवस के पावन अवसर पर गत तीन वर्ष की भांति यह भव्य आयोजन इस बार भी बड़े भाव आदर सत्कार के साथ भारती भवन संघ कार्यालय में 8 दिसम्बर सायं 6.00 बजे से भव्य कार्यक्रम का आयोजन सुनिश्चित किया गया है। प्रेस वार्ता को सम्बोधित करते हुए उन्होंने बताया कि इस बीच भारती भवन के प्रांगण में बड़े सत्कारयोग श्री गुरु ग्रंथ साहिब जी की हजूरी में पाठ, कीर्तन दीवान – दशमेश पब्लिक स्कूल, चढ़दी कला क्लासेस लखनऊ के बच्चे कार्यक्रम प्रस्तुत करेंगे। इसके अतिरिक्त गुरु तेग बहादुर साहिब जी पर आधारित चित्र प्रदर्शनी प्रस्तुत करेंगे। उक्त कार्यक्रम में समूह लखनऊ की सीख, सिंधी, पंजाबी व सर्व धर्म समाज के 31 विभिन्न मत, पंथ एवं सम्प्रदायों के 100 से अधिक श्रद्धालु शामिल होंगे। भाई गुरमीत सिंह जी, भाई दिनेश सिंह जी, गुरमत लेक्चर सरदार दिलबाग सिंह जी अमृतसर व बीबी रवनीत कौर जी अपने विचार प्रकट करेंगे। लखनऊ के समूह गुरुद्वारा सिख संगत व सिंधी आश्रम सनातनी महासभा व राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ एक होकर श्री गुरु तेग बहादुर शहीदी दिवस आयोजन समिति द्वारा यह कार्यक्रम करा रहे हैं। इसमें अयोध्या से कई संत, विभिन्न समाजों–धर्म के प्रमुख संत आदि अतिथि सम्मिलित होंगे। इस भव्य आयोजन में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक एवं कार्यकर्ता व्यवस्था सम्भालेंगे। साथ ही, सांस्कृतिक कार्यक्रमों के समापन के पश्चात लंगर का भी आयोजन किया जाएगा। श्री गुरु तेगबहादुर शहीदी दिवस आयोजन समिति की ओर से कार्यक्रम संयोजक निर्मल सिंह जी ने बताया गया कि 'हिंद की चादर' के नाम से पूजित गुरुजी ने विश्व इतिहास में धर्म एवं मानवीय आदर्शों, मूल्यों एवं सिद्धांतों की रक्षा के लिए अपने प्राणों की आहुति देने में कोई संकोच नहीं किया। अपने प्राण देकर समाज को राह दिखाने वाले गुरुजी का इस विश्व में अद्वितीय स्थान है। उन्होंने बताया कि इस अवसर पर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अवध प्रांत के प्रांत प्रचारक कौशल जी, श्री राम जन्म–भूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के अनिल जी व गोपाल जी, गौ सेवा के अखिल भारतीय सह–संयोजक नवल किशोर जी, राष्ट्रधर्म मासिक पत्रिका के निदेशक मनोज कांत जी, प्रशांत भाटिया जी आदि उपस्थित रहेंगे। निर्मल सिंह ने कहा कि श्री गुरु तेगबहादुर शहीदी दिवस की ओर से आयोजित किये जा रहे इस कार्यक्रम में कीर्तन व गुरमति विचार किया जाएगा। उन्होंने बताया कि गुरु तेग बहादुर जी ने मुगल काल के सबसे क्रूरतम बादशाह औरंगजेब के शासनकाल को न केवल देखा बल्कि उसकी नीतियों के विरुद्ध अपना सर्वोच्च बलिदान भी दिया। उन्होंने बताया कि एक आततायी शासक की सनातन धर्म विरोधी और वैचारिक स्वतंत्रता का दमन करने वाली नीतियों के विरुद्ध समाज के सबसे शांत और अहिंसक हिंदू व्यक्ति तक का क्या दायित्व बनता है यह जानने के लिये हमें श्री गुरु तेग बहादुर जी के जीवन को जानना चाहिये। उन्होंने पत्रकारों को सम्बोधित करते हुए कहा, शहिन्दू धर्म की रक्षा के लिए गुरु तेगबहादुर जी द्वारा किया गया सर्वोच्च बलिदान हम सबके लिये स्मरणीय है। यह चेतना जागृति का एक अभूतपूर्व ऐतिहासिक उदाहरण है, जिसे सबको जानना चाहिये। उक्त प्रेस वार्ता में सरदार निर्मल सिंह, सरदार सतपाल सिंह मीत, सरदार सुरिंदर सिंह बख्शी, सरदार राजेन्द्र सिंह राजू, सरदार भूपिंदर सिंह पिंदा, सरदार कुलदीप सिंह, प्रशान्त भाटिया, सरदार हरपाल सिंह जग्गी (गुरुद्वारा सदर), सरदार रणबीर सिंह भसीन, आदि उपस्थित रहे।

भुवन बाम ने जेएफएफ में नई पीढ़ी के सिनेमा की भूमिका पर साझा किए मूल्यवान अनुभव

लखनऊ(संवाददाता)। दुनिया का सबसे बड़ा यात्रा करने वाला जागरण फिल्म फेस्टिवल, दिल्ली के प्रतिष्ठित सिरी फोर्ट ऑडिटोरियम में शानदार शुरुआत के साथ सुर्खियों में रहा। सभी के लिए अच्छा सिनेमा की टैगलाइन के साथ, जेएफएफ एक ऐसा जीवंत मंच है जहां दुनिया भर के प्रसिद्ध और नवोदित फिल्म निर्माताओं को अपनी कला को विविध दर्शकों के सामने पेश करने का अवसर मिलता है। फीचर फिल्मों, शॉर्ट फिल्मों, डॉक्युमेंट्री और अन्य श्रेणियों का उत्सव मनाने के लिए मशहूर यह फेस्टिवल वैश्विक फिल्म उद्योग कैलेंडर में एक महत्वपूर्ण स्थान रखता है। अपने 12वें संस्करण में, फेस्टिवल ने इन कन्वर्सेशन श्रृंखला के तहत मशहूर कलाकारों के साथ शानदार साझेदारी पेश की। इस वर्ष के मुख्य आकर्षणों में से एक था अचीवर्स टॉक सत्र , जिसमें बहुमुखी अभिनेता और कंटेंट क्रिएटर भुवन बाम ने हिस्सा लिया। इस सत्र का संचालन मशहूर होस्ट जैनिस सुकैरा ने किया। यूट्यूब सेंसेशन से ओटीटी शो ताजा खबर के जरिए मुख्यधारा के अभिनेता बनने तक के सफर पर चर्चा करते हुए भुवन बाम ने अपने अनुभव साझा किए। उन्होंने कहा मेरी यात्रा का सबसे कठिन हिस्सा दूसरों को यह विश्वास दिलाना था कि मेरे पास प्रतिभा है। खुद को साबित करना हम सभी के लिए एक चुनौती है, खासकर जब हम किसी नई चीज में कदम रखते हैं। यह दिखाने का एक निरंतर दबाव रहता है कि आप योग्य हैं, रूढ़ियों को तोड़ने और संदेहों पर विजय पाने की जरूरत होती है – अपने और दूसरों के। लेकिन एक चीज जो मैंने सीखी है, वह यह है कि अगर आप अपने माता–पिता को मना सकते हैं, तो आपको किसी और को मनाने की जरूरत नहीं होती। वे आपके सबसे ईमानदार आलोचक होते हैं, जो आपको सबसे अच्छी तरह जानते हैं, और उनके विश्वास के साथ आप अपने सपनों की नींव मजबूती से रख सकते हैं। एक बार जब उनके पास आपका विश्वास और समर्थन हो, तो यह आपको दुनिया की किसी भी चुनौती का सामना करने की ताकत देता है। अधिक रोमांचक अपडेट, घोषणाओं और पर्दे के पीछे की मजेदार झलकियों के लिए जुड़े रहें।

संक्षिप्त समाचार

सेमेस्टर एग्जाम टाइम बदलने के विरोध में लखनऊ विश्वविद्यालय के छात्रों का हंगामा

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ विश्वविद्यालय में सेमेस्टर एग्जाम का टाइम बदलने से छात्र हंगामा कर रहे हैं। शनिवार दोपहर बड़ी संख्या में स्टूडेंट प्रशासनिक भवन पहुंचे। यहां एग्जाम पैटर्न और समय बदलने की मांग करते हुए वीसी के खिलाफ नारे लगाए। इस दौरान प्रॉक्टोरियल बोर्ड के सदस्यों से छात्रों की बहस हो गई। छात्रों का कहना है कि विश्वविद्यालय प्रशासन एग्जाम के 10 दिन पहले पैटर्न बदल दिया। इस बदलाव के लिए छात्र मानसिक रूप से तैयार नहीं हैं। पैटर्न में बदलाव को लेकर सेमेस्टर के शुरुआत में सूचना जारी करनी थी। कई स्टूडेंट हैं जो काफी दूर से आते हैं। सुबह ठंड ज्यादा होने के कारण सुबह 8 बजे परीक्षा सेंटर पहुंचना मुश्किल है। छात्रों ने कहा विश्वविद्यालय प्रशासन है कि वह स्टूडेंट के हित में काम करें। इस बदलाव का असर हजारों छात्रों पर पड़ रहा है। उनके लिए ये परेशानी है। ऐसे में परीक्षा नियंत्रक को फैसला वापस लेना चाहिए। प्रदर्शन कर रहे छात्र राणा सुधांशु ने बताया कि पहले 9 से 12 की टाइमिंग में 3 घंटे का पेपर होता था। अचानक इसे सुबह 8 बजे से कर दिया गया। पेपर का ड्यूरेशन अब महज 2 घंटे का रखा गया है। ये सभी डिसीजन मनमाने तरीके से लिए गए हैं। पेपर पैटर्न में बदलाव करना था तो समय रहते इन्फॉर्म करना चाहिए था। स्टूडेंट्स ने नारेबाजी करते हुए परीक्षा नियंत्रक विद्यानंद त्रिपाठी को ज्ञापन भी सौंपा। कहा– यदि स्टूडेंट्स की मांगे नहीं मानी जाती तो बड़ा प्रदर्शन होगा।

लोनिवि मुख्यालय पर पूर्व सैनिको को फायर फाइटिंग प्रशिक्षण

लखनऊ(संवाददाता)। कार्यालय प्रमुख अभियंता लोक निर्माण विभाग में आज अग्नि सुरक्षा के मद्देजन फायर फाइटिंग सिस्टम का मॉकड्रिल किया गया। इस दौरान मुख्यालय की सुरक्षा में तैनात लगभग 50 पूर्व सैनिकों को आपातकाल के दौरान फायर फाइटिंग सिस्टम चलाने का प्रशिक्षण दिया गया। यह प्रशिक्षण मुख्यालय के सहायक अभियंता इं. रवीद्र कुमार श्रीवास्तव और अवर अभियंता इं. दिलीप कुमार ने दिया। मुख्यालय के मुख्य भवन प्रागण और अनवेष्णालय के दो स्थानों पर सैनिकों को सिस्टम की बरीकी बताते हुए उन्हें आपातकाल में इसके संचालक का प्रैक्टिकल कराया गया। इस दौरान अधीक्षण अभियंता 30 वृत इं अभय कुमार गुप्ता, अधिशासी अभियंता इं. राकेश कुमार, सहायक अभियंता इं. पी. पी. यादव, अवर अभियंता इं. रामधनी मौर्या, वरिष्ठ सहायक जय विक्रम सिंह और फायर फाइटिंग फर्म जेएमडी फायर कन्ट्रोल के श्री गौरव अपनी टीम के साथ मौजूद थे। अधीक्षण अभियंता श्री गुप्ता ने बताया कि इस तरह के फायर फाइटिंग सिस्टम लगभग सरकारी भवन में स्थापित है जिनमें समय समय पर मार्कड्रिल का आयोजन किया जाता है।

ड्यूटी से घर लौट रहे इलेक्ट्रीशियन का एक्सीडेंट, अस्पताल ले जाते समय रास्ते में तोड़ा दम

लखनऊ(संवाददाता)। लखनऊ–फैजाबाद रोड में पिकअप की टक्कर से बाइक सवार इलेक्ट्रीशियन गंभीर घायल हो गया। पुलिस उसे गंभीर हालत में लोहिया अस्पताल लेकर पहुंची। लेकिन रास्ते में ही उसकी मौत हो गई। पुलिस ने उसके पास से मिले मोबाइल से परिजनों को घटना की जानकारी दी है। हादसा अनौरा कला के पास हुआ है। इसका सीसीटीवी भी सामने आया है। इसमें एक पिकअप दिखी है। ऐसे में अनुमान लगाया जा रहा है कि दुर्घटना उसी से हुई है। पुलिस सीसीटीवी की मदद से चालक की जानकारी जुटा रही है। अतुल शर्मा (30) बाराबंकी के सफेदाबाद असैनी का रहने वाला था। वह बीबीडी स्थित गोयल सोसाइटी हॉस्पिटल में इलेक्ट्रीशियन का काम करता था। चाचा अनुज ने बताया कि वह डेली बाइक से आता–जाता था। शुक्रवार रात को भी बाइक से घर लौट रहा था। अनौरा कला गांव के पास पहुंचा तो हादसे का शिकार हो गया। पति अतुल की मौत की सूचना मिलते ही पत्नी रुचि का रो–रोकर बुरा हाल है। पिता राम प्रताप और मां रेखा बेसुध हो गए। अतुल की सात साल की बेटी मिस्ठी बार–बार चाचा अमन से पिता के बारे में पूछ रही। पूरा परिवार गमगीन है। पुलिस के मुताबिक घटना स्थल के पास से सीसीटीवी में संदिग्ध पिकअप दिखी है। आशंका है कि उससे ही दुर्घटना हुई है। पिकअप का नंबर साफ नहीं आया है। अन्य सीसीटीवी की मदद से वाहन और चालक के विषय में जानकारी जुटाई जा रही है।

शिव पुराण कथा से पूर्व संध्या पर निकली कलश यात्रा

लखनऊ(संवाददाता)। बाबा विश्वनाथ के आशीर्वाद से महिला सत्संग मण्डल द्वारा विश्वनाथ मन्दिर के 33वें स्थापना दिवस के मौके पर श्रीरामलीला पार्क सेक्टर–'ए' सीतापुर रोड योजना कालोनी में 8 दिसंबर से शुरू होने वाले शिव पुराण कथा व रासलीला की पूर्व संध्या पर शनिवार को कलश यात्रा निकाली गयी। यात्रा में शिव पार्वती की झांकी आकर्षण का केंद्र रही। मन्दिर परिसर से शुरू हुई कलश यात्रा राम–राम बैंक चौराहा, सर्वेश्वरनाथ मन्दिर, महादेव होटल चौराहा, सेक्टर–'ए' सीतापुर रोड योजना कालोनी सहित विभिन्न क्षेत्रों से होते हुए वापस विश्वनाथ मन्दिर पहुंचकर सम्पन्न हुई। कलश यात्रा में सिर पर मंगल कलश रखे महिलायें शंखनाद, ढोल नगाड़ों की धुन पर भजन–कीर्तन व भगवान के जयकारे लगाते हुये चल रही थी। वहीं ''शिव भोला कै महिमा अपार...'', ष्ाौरा दुल्हन बनके बैठी आज मेरे भोला आयेंगे. .., दशरथ जी के लाल राघव दरस कब होहिये... व ''भज ले मन राम–राम–राम सियाराम...'' जैसे संकीर्तन से माहौल भक्तिमय हो गया। भक्तों ने जगह–जगह कलश यात्रा का जोरदार स्वागत किया। कलश यात्रा में कमलेश दुबे, वरुण श्याम पाण्डेय, जेएन दुबे, सावित्री सिंह, रामकुमारी सोनी, सपना शुक्ला, मिथिलेश सिंह, वीरेंद्र प्रताप सिंह, मीरा पाण्डेय, शाश्वत पाठक, कौशल किशोर पाण्डेय, शम्भू शरण वर्मा, मंजू गुप्ता, शशि निगम, जावंती दुबे, मोहन, बसंती सहित काफी संख्या में भक्तगण मौजूद थे। महिला सत्संग मण्डल की अध्यक्षा श्रीमती कमलेश दुबे ने बताया कि 8 दिसंबर से 14 दिसम्बर तक प्रतिदिन दोपहर 12 बजे से 3 बजे तक कथा व्यास आचार्य पं. गोविंद मिश्रा शिव पुराण कथा सुनायेंगे और सांय 6 बजे से 9 बजे तक वृंदावन के कलाकार रासलीला प्रस्तुत करेंगे। 15 दिसम्बर को पूर्णाहुति व विशाल भण्डारे के साथ शिव पुराण कथा का समापन होगा।

सम्पादकीय.....

फडणवीस सत्ताधीश

आखिरकार अनिश्चय व अटकलों पर विराम लगाते हुए गुरुवार को भाजपा के दिग्गज नेता देवेंद्र फडणवीस ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। सत्ता का खेल देखिए पिछली पारी में फडणवीस मुख्यमंत्री बनने के बाद सरकार में उपमुख्यमंत्री बने थे, वहीं इस बार पिछली बार के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे उपमुख्यमंत्री बने हैं। सत्ता का आंकड़ा पक्ष में न होते हुए भी शिंदे अपनी राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं पर विराम नहीं लगा पाए। तभी नवंबर में स्पष्ट बहुमत हासिल करने वाले महायुति गठबंधन को दिसंबर में सरकार बनानी पड़ी। चुनाव में तय हुए राजनीतिक कद से इतर शिंदे ज्यादा हासिल करने के प्रयास में सिर्फ शपथ ग्रहण समारोह को आगे ही बढ़ा सके। लेकिन दीवार पर लिखी इबारत स्पष्ट थी कि महायुति की प्रचंड जीत में शिवसेना का शिंदे गुट भाजपा की सीटों के मुकाबले आधी सीटें भी हासिल नहीं कर पाया। फिर भी उनके समर्थक आस लगा रहे थे कि बिहार की तर्ज पर भाजपा फैसला लेगी, जिसमें भाजपा द्वारा ज्यादा सीटें हासिल करने पर भी नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री बनाया था। लेकिन कुछ इंतजार के बाद भाजपा ने एकनाथ शिंदे को बता दिया कि सरकार के नाथ फडणवीस ही होंगे। जाहिर है भाजपा ने राजनीतिक चतुराई से महाराष्ट्र की राजनीति को संचालित करने वाली शिवसेना व राष्ट्रवादी कांग्रेस में विभाजन का लाभ उठाकर खुद को मजबूत स्थिति में ला दिया है। वहीं अपने सहयोगियों को ऐसी स्थिति में ला दिया है कि सत्ता की चाबी किसी एक के हाथ में न रह सके। निस्संदेह, आज देवेंद्र फडणवीस के नेतृत्व में भाजपा ने महाराष्ट्र की राजनीति में अपनी जमीन मजबूत कर ली है। बहरहाल, हकीकत यही है कि फडणवीस महाराष्ट्र में तीसरी बार मुख्यमंत्री बन गए हैं। लेकिन इस बार उनके सामने पहले से ज्यादा चुनौतियां खड़ी हैं। मुख्यमंत्री के रूप में उनका पहला कार्यकाल अच्छा माना जाता है। राज्य के लोग उनकी सरकार द्वारा किए गए कार्यों को याद करते हैं। हालांकि, फडणवीस जब पहली बार मुख्यमंत्री बने थे तो उनके पास राज्य में प्रशासन चलाने का अनुभव नहीं था। लेकिन उन्होंने बखूबी सरकार चलायी। मगर पिछली बार भी राज्य में सबसे बड़ी पार्टी होने के बावजूद उद्धव ठाकरे की राजनीतिक महत्वाकांक्षाओं के चलते वे मुख्यमंत्री बनने से वंचित रह गए। बल्कि कालांतर उन्हें उपमुख्यमंत्री का पद संभालना पड़ा। लेकिन उन्होंने भाजपा आलाकमान के फैसले को सहजता से स्वीकार किया। जिसका लाभ उन्हें इस बार मिला, जब पार्टी नेतृत्व ने उन्हें प्राकृतिक रूप से मुख्यमंत्री पद का दावेदार माना। उनकी सफलता के पीछे पहले कार्यकाल में हुए महत्वपूर्ण कार्य भी रहे हैं। जिसमें किसानों के जल संकट को दूर करने वाली जलयुक्त शिविर योजना, मुंबई–नागपुर को जोड़ने वाली पचपन हजार करोड़ की एक्सप्रेस परियोजना व मेट्रो नेटवर्क के विस्तार से भाजपा के जनाधार को बढ़ाने वाला बताया जाता है। लेकिन आज राज्य की आर्थिक स्थिति संतोषजनक नहीं रही। राजकोषीय घाटे को लेकर चिंताएं हैं। बेरोजगारी बड़ी समस्या है। पूंजीगत खर्चों में कमी आई है तो राजस्व भी घटा है। वहीं आने वाले दिनों में मराठा आरक्षण का जिन्न बोतल से बाहर आ सकता है। हालिया विधानसभा चुनाव में जमीन खिसकने से आहत मराठा क्षत्रप इस मुहिम को हवा दे सकते हैं। वहीं ओबीसी वर्ग को फिक्र है कि कहीं उनके हिस्से का आरक्षण मराठाओं को न दे दिया जाए। महायुति गठबंधन ने मराठा आंदोलनकारियों को राहत देने का आश्वासन दिया है। उम्मीद है कि फडणवीस सरकार में शामिल दो मराठा क्षत्रप शिंदे व पवार संकटमोचक की भूमिका निभा सकते हैं। वैसे इस मुद्दे पर अदालत की भी बड़ी भूमिका होगी। फडणवीस सरकार के सामने चुनौती होगी कि हालिया विधानसभा चुनाव में गेमचेंजर बतायी जा रही 'लाडकी बहिना' योजना के तहत बढ़ाकर दी जाने वाली बड़ी धनराशि के लिये वित्तीय संसाधन सरकार कैसे जुटाती है। चुनावी वायदे के अनुसार लक्षित महिला समूह को अब पंद्रह सौ के बजाय 2100 रुपये की राशि दी जानी है। वह भी तब जब राज्य के वित्तीय संसाधन सिमटे हैं। वहीं कृषि उत्पादों के पर्याप्त दाम न मिलने से किसानों में खासा रोष व्याप्त है। इन चुनौतियों का मुकाबला फडणवीस सरकार की प्राथमिकता होगी।

जून 2025 से सेटेलाइट आधारित टोल टैक्स कलेक्शन सिस्टम प्रारंभ

एजेन्सी

इसके प्रथम चरण में आगामी जून 2025 से नए टोल टैक्स कलेक्शन रूल की व्यवस्था प्रारंभ हो जाएगी। सड़कों पर बढ़ती दुर्घटनाओं एवं सफर में अनावश्यक समय के अपव्यय को देखते हुए ट्रैफिक के रूल ।

अब अति शीघ्र ही सारे छत्तीसगढ़ सहित सारे देश में फास्टैग व टोल टैक्स के सारे गेट हटा दिए जाएंगे। इसके लिए सारी तैयारियां हो चुकी है। इसके प्रथम चरण में आगामी जून 2025 से नए टोल टैक्स कलेक्शन रूल की व्यवस्था प्रारंभ हो जाएगी। सड़कों पर बढ़ती दुर्घटनाओं एवं सफर में अनावश्यक समय के अपव्यय को देखते हुए ट्रैफिक के रूल और नियम कायदों पर सरकार नित नए प्रयोग व दुर्घटना रहितघ सफर के लिए उपाय कर रही है। देश में पिछले कुछ समय से लगातार टोल टैक्स से संबंधित जानकारी सामने आ रही है कि टोल कटने का तरीका जल्दी ही बदलने वाला है। अब सरकार टोल टैक्स कलेक्शन के लिए नई टेक्नोलॉजी पर काम कर रही है। पहले कैश उसके बाद फास्टैग के जरिए टोल टैक्स काटा जाता था जिससे कि आपके समय की भी काफी खपत होती है। लेकिन नए टोल कलैक्शन सिस्टम के बाद से आपको ऐसी कोई दिक्कत नही आने वाली है। आइए जान लें कि कब शुरू। होगा नया टोल सिस्टम और कैसे कटेगा आपका टोल टैक्स... टोल प्लाजा पर कई–कई देर इंतजार करने वालों में लगभग हर व्यक्ति शामिल है। चाहे फिर वो खुद वाहन चला रहा हो या फिर किसी के साथ ट्रेवल कर रहा हो। इस स्थिति का सामना तो लगभग सभी ने किया ही है। लेकिन अब इस समस्या को टाटा बाय–बाय करने का समय आ गया है। क्योंकि सारे देश में जल्द ही नए टोल सिस्टम की शुरूआत होने वाली है जिससे कि ये टोल गेट वगैरह हट जाएंगे और पूरे नए तरीके से आपका टोल टैक्स काटा जाएगा। इस नए सिस्टम के बाद से आपको टोल प्लाजा पर कतार में लगने जैसी समस्याओं से नही झूझना पड़ेगा, बल्कि सैटेलाइट की रेंज में आने से टोल का भुगतान अपने आप हो जाएगा। नए टोल सिस्टम की टेस्टिंग के लिए अगले सप्ताह कुछ गाड़ियों को ऑन–बोर्ड यूनिट यूनिट के साथ पेश करने की तैयारी चल रही है। ऑन बोर्ड यूनिट यूनिट एक ट्रैकर डिवाइस के जैसे काम करेगा जो सैटेलाइट तक आपकी गाड़ी का सिग्नल पहुंचाएगा। नए टोल सिस्टम के लागू होने के बाद मौजूदा आरएफआईडी आधारित फास्टैग सिस्टम को पूरी तरह खत्म कर दिया जाएगा। क्या है जीपीएस बेस्ड टोल सिस्टम की खासियत, कैसे करेगा काम ? बहुत से लोगों के मन में ये सवाल उठ रहे होंगे कि आखिर ये नया सिस्टम काम कैसे करेगा. ..? कैसे पता चलेगा कि कौन सा वाहन कहां से कहां तक की दूरी तय कर रहा है तो आपको बता दें कि नए सिस्टम में जीपीएस होगा जो कि इस काम को बेहद आसान बना देगा। इससे ये साफ पता चल जाएगा कि कौन से वाहन ने कितना ट्रेवल किया है। नए टोल सिस्टम की मुख्य विशेषता यह है कि गाड़ियों की आवाजाही की निगरानी के लिए सैटेलाइट या कुछ सैटेलाइट्स के समूह की मदद ली जाएगी। यात्रा की सटीक दूरी केआधार पर टोल या उपयोगकर्ता शुल्क को तय किया जाएगा। बता दें कि सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय ने सैटेलाइट बेस्ड टोल कलेक्शन सिस्टम का उपयोग करके टोल संग्रह की अनुमति देने के लिए एनएच शुल्क नियमों में संशोधन किया है। जानकारी के मुताबिक नए टोल सिस्टम को लागू करने के लिए भारतीय सैटेलाइट नाव0 का उपयोग किया जाएगा। मौजूदा समय नए टोल सिस्टम की टेस्टिंग के लिए कुछ गाड़ियों को ऑन–बोर्ड यूनिट के साथ चलाया जाएगा, लेकिन आपको कब तक इसे अपनी गाड़ी में लगाना होगा, आइए जानते हैं। ऑन–बोर्ड यूनिट लगवाना अनिवार्य अब टोल टैक्स लेने के लिए नए सिस्टम को चलाया जाएगा तो जाहिर सी बात है कि इसके लिए वाहनों को भी अब उसी हिसाब से तैयार किया जाना है। सैटेलाइट आधारित टोल सिस्टम काम करे इसलिए गाड़ियों में ऑन–बोर्ड यूनिट लगवाना अनिवार्य होगा। वैसे जानकारी के लिए बता दें कि आने वाले कुछ सालों में नई गाड़ियां प्री–फिटेड ऑन–बोर्ड यूनिट के साथ आने लगेंगी। वहीं मौजूदा गाड़ियों में बाहर से ऑन–बोर्ड यूनिट लगवाया जा सकेगा। ऑन–बोर्ड यूनिट को फास्टैग की तरह जारी किया जाएगा और इसका काम इशुइंग अथॉरिटी को सौंपा जाएगा। सबसे पहले ट्रकों में लगाए जाएंगे ओबीयू इस नए सिस्टम के तहत सैटेलाइट आधारित टोल कलेक्शन सिस्टम के लिए सबसे पहले ऑन–बोर्ड यूनिट को ट्रकों, बसों और खतरनाक सामान के जाने वाले वाहनों में लगाया जाएगा। इसके बाद अन्य तरह के कमर्शियल वाहनों को अगले चरण में शामिल किया जाएगा। हालांकि, निजी वाहनों को 2026–27 में अंतिम चरण के तहत नए टोल सिस्टम में शामिल किया जाएगा।

ये नया टोल सिस्टम पूरे सिस्टेमैटिक तरीके से लॉन्च किया जाएगा। अगले साल से शुरू होगा नया टोल कलेक्शन सिस्टम इस सिस्टम के बारे में जानने के बाद वाहन चालकों में ये जानने की उत्सुक्ता बढ़ गई है कि ये नया टोल कलेक्शन सिस्टम कब से लागू होने वाला है तो आपकी जानकारी के लिए बता दें कि सैटेलाइट आधारित टोल सिस्टम को जून 2025 तक 2,000 किलोमीटर के राष्ट्रीय राजमार्गों पर लागू किया जाएगा। इसे नौ महीनों में 10,000 किलोमीटर,पंद्रह महीनों में 25,000 किलोमीटर और दो सालों में 50,000 किलोमीटर तक बढ़ाने का लक्ष्य रखा गया है।नए टोल सिस्टम का कार्य प्रगति पर है।इसके लिए केंद्र सरकार की राजमार्ग–स्वामित्व वाली एजेंसियों ने राष्ट्रीय राजमार्गों की लगभग पूरी लंबाई की जियो–फेंसिंग पूरी कर ली है।

नफरती भाषणों का तेजी से बढ़ता ग्राफ

राम पुनियारी

आरएसएस–भाजपा और उनसे जुड़े संगठन हर मौके का उपयोग अल्पसंख्यकों के दानवीकरण के लिए करते आए हैं. यद्यपि नफरत फैलाने वाले भाषण देना अपराध है, और उसके लिए सजा का प्रावधान भी है मगर अधिकांश मामलों में दोषियों के खिलाफ कोई का र्रवाई नहीं होती. पिछले एक दशक से एक सांप्रदायिक पार्टी के सत्ता में होने के कारण नफरत–भरी बातें खूब कही जा रही हैं. इससे धार्मिक अल्पसंख्यकों के बारे में आम लोगों में नकारात्मकता का भाव जड़ पकड़ रहा है. व्हाट्सएप समूहों में जिस तरह की बातें होती हैं और आम मानसिकता जैसा बनती जा रही है, उससे ऐसा लगता है कि अल्पसंख्यकों से नफरत करना एकदम सामान्य बात है. इसकी जड़ में है नफरत फैलाने वाला तंत्र, जिसके चलते नकारात्मक सामाजिक धारणाएं विकसित होती हैं और बंधुत्व व सामाजिक सद्भाव की अवधारणाओं– जो भारतीय संविधान के तीन मूलभूत आधारों में से एक हैं–को धक्का पहुंचता है। कई नए मसले उठाए जा रहे हैं. बल्कि अब बात सिर्फ मसले उठाने तक सीमित नहीं रह गई है. अब तो सीधे कार्रवाई का आह्वान किया जा रहा है। जो बातें कही जा रही हैं वे गलत धारणाओं पर आधारित हैं और सामाजिक विभाजन को और गहरा करती हैं। हम दो, वो पांच, उनके पच्चीसश और श्राहत शिविर बच्चे पैदा करने की फैक्ट्रियां हैंश जैसे नारों और वक्तव्यों में इस तरह की धारणाएं जोड़ दी गईं हैं जैसे मुगल बादशाह बाहरी थे, उन्होंने हिन्दुओं के साथ अन्याय किया था, मंदिर तोड़े थे और तलवार की दम पर इस्लाम फैलाया था। अब यह भी कहा जा रहा है कि मुसलमानों को उनके कपड़ों से पहचाना जा सकता है, कि वे हमारी गौमाता के हत्यारे हैं और यह कि वे लव जिहाद के जरिये हमारी लड़कियों और महिलाओं को अपने जाल में फंसा रहे हैं। अब तो जिहाद की पूरी सीरीज बन गई है जिसमें लैंड जिहाद और वोट जिहाद शामिल हैं। सन् 2024 के लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार के दौरान मोदी ने नफरत फैलाने वाले भाषण देने में कोई कसर बाकी नहीं छोड़ी। ह्यूमन राइट्स वाच के अनुसार, चुनाव के दौरान मोदी ने नफरत फैलाने वाले 110 भाषण दिए. रिपोर्ट कहती है, श्मोदी ने अपने भाषणों में इस्लामोफोबिक (इस्लाम के प्रति डर पैदा करने वाली) बातें कहीं। इसका एक उद्देश्य अपने राजनैतिक विपक्ष पर हमला बोलना था, जिसके बारे में मोदी ने कहा कि वह मुसलमानों के अधिकारों को बढ़ावा देता है। और दूसरा उद्देश्य दुष्प्रचार के द्वारा बहुसंख्यक हिन्दू समुदाय में मुसलमानों के प्रति डर का भाव पैदा करना था। मोदी के भाषणों का एक और नमूना भी उतना ही डरावना है। मुसलमानों को आरक्षण देने के प्रस्ताव को कांग्रेस द्वारा मुसलमानों का तुष्टीकरण बताते हुआ मोदी ने कहा यह भारत के इस्लामीकरण और उसके टुकड़े–टुकड़े करने के घृणित प्रयासों का हिस्सा है। जब यूपीए सरकार सत्ता में आई, तब भी उसने ऐसे ही प्रयास किये थे। चाहे जस्टिस वर्मा समिति की रिपोर्ट हो या सच्चर समिति की। ये सब पिछड़ा वर्गों, अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के आरक्षण को लूटने के कांग्रेस के प्रयास थे। हाल में झारखण्ड और महाराष्ट्र में हुए विधानसभा चुनावों में नफरत फैलाने वाले भाषणों ने सभी सीमाएं पार कर लीं। भाजपा के हेमंत बिस्वा सरमा के प्रचार का प्रमुख मुद्दा था राज्य में कथित तौर पर मुस्लिम घुसपैठियों का प्रवेश। भाजपा द्वारा जारी एक निहायत ही घिनौने विज्ञापन में दिखाया गया था कि एक बड़ा मुस्लिम परिवार, एक हिन्दू घर पर हल्ला बोल पर उस पर कब्जा जमा रहा है। हम सब जानते हैं कि झारखण्ड की कोई अंतरराष्ट्रीय सीमा नहीं है। फिर आखिर वे मुसलमान कौन हैं जो हिन्दू घर पर कब्जा कर रहे हैं? अलबत्ता एक नयी चीज जो इस बार हुई वह यह थी कि चुनाव आयोग ने उस विज्ञापन को हटाने का आदेश जारी किया। मगर यह वीडियो उसके स्त्रोत (जहां से उसे हटा दिया गया) के अतिरिक्त अन्य स्थानों पर तो हो ही सकता है। एक अन्य भड़काऊ प्रचार यह था कि मुसलमान, आदिवासी लड़कियों से शादी कर आदिवासियों की जमीनों पर काबिज हो रहे हैं। इस आरोप को साबित करने के लिए कोई आंकड़े उपलब्ध नहीं थे। मगर इससे क्या? लोगों को बांटने का उद्देश्य तो पूरा हो रहा था। नारा यह दिया गया कि मुस्लिम घुसपैठिये, आदिवासियों से उनकी रोटी, बेटी और माटी छीन रहे हैं। और यह वक्तव्य हमारे प्रधानमंत्री का था! इन चुनावों का मुख्य नारा योगी आदित्यनाथ की भाजपा कोभेंट थी। नारा था बटेंगे तो कटेंगे। सन्देश यह था कि हिन्दुओं को एक रहना चाहिए। उनकी बात का समर्थन करने हुए भाजपा के पितृ संगठन आरएसएस के दत्तात्रेय होसबले ने कहा, महत्वपूर्ण बात यह है कि अगर हिन्दू एक रहेंगे तो यह सबके लिए अच्छा होगा। हिन्दू एकता स्थापित करने की संघ ने शपथ ली है।आदित्यनाथ के बटेंगे तो कटेंगे के नारे को थोड़ा संशोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने एक हैं तो सेफ हैं का नारा दिया। उनके कहने का मतलब यह था कि हिन्दुओं को अगर अल्पसंख्यकों, जो उनके लिए खतरा हैं, से सुरक्षित रहना है तो उन्हें एक होना होगा। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री ने लैंड जिहाद और वोट जिहाद की बात की, और अन्य नारों के अलावा, यह भी कहा कि भारत जोड़ो यात्रा में अर्बन नक्सल और अति–वामपंथी लोग शामिल हुए थे। इस सबके नतीजे में हुए सांप्रदायिक ध्रुवीकरण का मतदान पर जो असर हुआ वह साफ दिख रहा है। सामाजिक सोच में बदलाव भी सब देख सकते हैं। व्हाट्सएप समूहों और हिन्दू घरों के ड्राइंगरूमों में इन दिनों होने वाली चर्चा भी इसकी गवाह है। क्रिस्टोफ जैफरलॉट एक मेधावी अध्येता हैं, जिन्होंने हिन्दू राष्ट्रवाद के उत्थान का गंभीर और बारीक अध्ययन किया है। उन्होंने मार्च–अप्रैल 2024 में सीएसडीएस द्वारा किए गए अध्ययन को उद्धृत किया है। इस अध्ययन में हिन्दुओं से मुसलमानों के बारे में उनकी राय पूछी गई थी।

अध्ययन से सामने आया कि अधिकांश हिन्दू मानते हैं कि मुसलमान उतने विश्वसनीय नहीं होते जितने कि अन्य लोग होते हैं, उनका तुष्टीकरण हो रहा है, आदि, आदि। इस अध्ययन से पता चलता है कि हमारा समाज, मुसलमानों के बारे में नकारात्मक सोच रखता है। अध्येता शायद हमें यह भी बता सकें कि पिछले कुछ दशकों में यह नकारात्मकता और गहरी, और गंभीर क्यों हुई है। मजे की बात यह है कि मोदी का दावा है कि वे सांप्रदायिक भाषण नहीं देते। चुनाव प्रचार में उनकी मुस्लिम–विरोधी टिप्पणियों के बारे में पूछे जाने पर मोदी ने पत्रकारों से कहा, श्जिस दिन मैं (राजनीति में) हिन्दू–मुस्लिम की बातें करने लगूंगा, उस दिन मैं सार्वजनिक जीवन के लिए अयोग्य हो जाऊंगा। मैं हिन्दू–मुस्लिम कभी नहीं करूंगा। यह मेरा संकल्प है। कथनी और करनी में कितना अंतर हो सकता है! हिन्दुओं में व्याप्त गलत धारणाओं के कारण ही देश की फिजा में जहर घुल रहा है। इससे मुसलमान अपने मोहल्लों में सिमट रहे हैं और श्दूसरे दर्जे के नागरिक बनने के करीब पहुंच रहे हैं। इस विभाजन से कैसे निपटा जाए? हमें एक वैकल्पिक नैरेटिव को लोगों के बीच ले जाना होगा। हमें लोगों को हमारे स्वाधीनता संग्राम के मूल्यों और हमारी साझा और बहुवादी संस्कृति के बारे में बताना होगा। हमें उन्हें बताना होगा कि सभी धर्मों के लोगों ने कंधे से कन्धा मिलाकर आजादी की लड़ाई लड़ी थी और उसी लड़ाई के मूल्य हमारे संविधान का हिस्सा हैं।

प्रयागराज का महाकुंभ सामाजिक समरसता और एकता का महासूत्र

सुरेश सिंह

विभिन्न धर्मों और संप्रदायों में विश्वास करने वाला हमारा यह देश है। यहां अनेक पर्व, उत्सव और मेले आयोजित होते हैं, इसलिए यह कहावत है ष्सात वार और नौ त्यौहारश ! धार्मिक पर्वो और उत्सवों से त्याग, तप, साधना, परोपकार, धार्मिक जागृति और आध्यात्मिक चेतना के दर्शन होते हैं। ऐसे ही सनातनधर्मियों का, हिन्दुओं का सबसे बड़ा धार्मिक पर्व है कुंभ, या कह सकते हैं महाकुम्भ,जो विश्व का सबसे बड़ा मेला कहा जा सकता है। यह महापर्व कब, क्यों और कहां मनाया जाता है, इसके आधार को पुराणों में उल्लेखित निम्न पंक्तियों से समझा जा सकता है। ष्कुशस्थली तीर्थवर, देवानामपि, दुर्लभ्य। माधवे, धवले पक्षे सिंह जीवे इनोश्चगे। तुलाराशौ क्षपानाथे स्वातिथे पूर्णिमा तिथौ। व्यतिपाते तु सम्प्राप्ते चंद्रवासर संयुते ।। एजेनशत महायोगः स्थानान्मुक्ति फलप्रदा।। उक्त संदर्भ समुद्र मंथन से है। जब देव दानवों द्वारा समुद्र मंथन किया गया, मंथन से अमृत सहित चौदह दिव्य रत्नों की प्राप्ति, अमृत पर अधिकार के लिये देव– दानवों में संघर्ष और संघर्ष में भारत के चार प्रमुख तीर्थों में अमृत बिन्दु का छलक पड़ना। अमृत बिन्दु पतन से चारों तीर्थ स्थान अमर और पवित्र हो गये। यहां की पवित्र नदियां भी अमृतमयी हो गई है। ष्विष्णु द्वारे तीर्थराजे वन्त्यां गोदावरी तटे। सुधा बिन्दु विनिक्षेपात कुम्भपर्वेति–विश्रुतमष ।। अर्थात् अमृत बिंदु पतन से पृथ्वी पर चार कुंभ पर्व हरिद्वार, प्रयाग, उज्जैन और नासिक में आयोजित होते हैं। जिसमें हरिद्वार का कुंभ पर्व कुंभ राशि के गुरु, मेष के सूर्व में वैशाख मास में आयोजित होता है। वहीं प्रयाग (इलाहाबाद) का कुंभ महापर्व मेष वा वृषभ का गुरु, मकर का सूर्य और माध मास में सम्पन्न होता है। नासिक में सिंह राशि का गुरु, सिंह का सूर्य तथा श्रावण मास के संयोग से पर्व होता है। इसी प्रकार उज्जैन का कुंभ सिंह राशि का गुरु, वैशाख मास के मेष के सूर्य में कुंभ पर्व होता है। कुंभ भारतीय जनजीवन, संत महात्माओं के आध्यात्मिक चिंतन, जीवन दर्शन और प्राचीन संस्कृति का पुंजीभूत है। इसकी मांगलिक विचारधाराएं सरिताओं के पावन जलप्रवाह के माध्यम से जन जागृति और नवचेतना का शंखनाद सदियों से करती आई है। बारह वर्ष बाद यह पुनः पुनः आ जाता है। प्रयागराज का अमृत महाकुंभ, जो विश्व का सबसे बड़ा मेला पुनीत पावनक गंगा जमुना, और अदृश्य सरस्वती के संगम पर उभरता एक लघु भारत। प्रयाग की धरती से एक बार फिर गूंज रहा है ष्हम एक हैंष का अमृत घोष। अजस्र वाहिनी गंगा जमुना–सरस्वती का संगम–स्थल। भूमंडल के पूर्व यानी नासिकाग्र (प्रयाग) पर होता है राशि चक्र में कुंभ राशि पर गुरुदेव बृहस्पति के परिभ्रमण पर यह अमृत योग आता है। यह भी गौर करने की बात है कि सभ्यता एवं संस्कृति के विकासमान जीवन और जगत को प्राचीन समय में ही नहीं आज के वैज्ञानिक तकनीकी समय में भी महाकुंभ से संबंधित शहरों एवं निकटवर्ती क्षेत्रों के व्यापार, व्यवसाय,विपणन, वाणिज्य को बल मिलता है। यहां वस्तुओं का राष्ट्रव्यापी विनियम होता है। इन विराट कुंभ मेलों में शास्त्रज्ञों, ज्योतिषियों, विद्वानों, कलाकारों, कवियों का समागम सम्मान होता है, तो दूसरी ओर नाम दान द्वारा अपरिग्रह की भावना को सुंपष्टि दी जाती है। पर्यटन एवं पर्यावरण के महत्व को आत्मसात करने वाले मानव समाज को यात्रा की प्रवृत्ति, उसे एकरस जीवन से हटाकर पाप विमुक्ति तथा ग्रहचक्र एवं दुर्देव से सुरक्षा के भाव जगाता है। इस पावन – महापर्व का आकर्षण ही ऐसा है कि भारत के कोने–कोने से और तो और विश्व के अनेक देशों के लोग भी कुंभ नगरी में सिमटने लगे हैं। कुंभ महापर्व की यह पराकाष्ठा ही है की उत्तरप्रदेश की सरकार ने 12 जनवरी 2025 से आयोजित गंगा किनारे कुंभ स्थल क्षेत्र को कुंभ जिला घोषित कर दिया है । यद्यपि इनकी भाषा, वेशभूषा, रंगढंग सभी एक दूसरे से भिन्न होते हैं, परंतु इनका लक्ष्य एक होता है, मंजिल एक होती है सभी में एक ही भावना और समरसता के दर्शन किये जा सकते हैं और यह हैं अनेकता में एकता का संगम। आज का मनुष्य क्या स्त्री, पुरुष, बाल–अबाल, साधू महात्मा, धन्वान–गरीब, गृहस्थ, संन्यासी, साक्षर असाक्षर हर तरह के लोग और समुदाय, कष्टों समस्याओं की चिंता नहीं करते हुये भी अमृत कुंभ के अमृतपान के लिये सहज एवं प्रसन्नता के साथ प्रत्येक स्थिति में भी उद्यत रहते हैं, यही तो है इस महापर्व का महात्म्य। भारतीय लोक जीवन में मेलों का अपना एक विशेष स्थान रहा है। इस दृष्टि से यदि देखा जाय तो हम पाते हैं कि हमारे देश के लगभग प्रत्येक क्षेत्र में समय – समय पर मेलों का आयोजन होता रहता है। चूंकि ऐसे प्रत्येक आयोजन के लिये कोई कारण होना जरुरी होता है। इसलिए भारत में लगने वाले अधिकांश मेले किसी उत्सव, पर्व या धार्मिक महत्व वाले दिन के अवसर पर आयोजित होते हैं।

वैसे इन सभी मेलों का धार्मिक, सांस्कृतिक, आर्थिक और समाज शास्त्रीय भी महत्व रहता है। लेकिन आधुनिक युग में इनके आयोजन के साथ आर्थिक पक्ष अधिक महत्वपूर्ण होते जा रहे हैं, क्योंकि जहां एक तरफ इनके आयोजन में आयोजक को, सरकार हो या अन्य कोई संस्था, उसे काफी पैसा खर्च करना ही रहता है। दूसरी तरफ इन मेलों में आने वाले भी भारी खर्च करते हैं, और जो व्यापारी, उद्योगपति वा दुकानदार इनमें आते हैं वे अच्छी कमाई के साथ अपने उत्पादन या अपनी वस्तु का अच्छा प्रचार करके भविष्य में बिक्री बढ़ाने का प्रयास भी करते हैं। भारतीय मेलों का एक लम्बा इतिहास रहा है। इनमें अन्य मेलों की अपेक्षा प्रयागराज, हरिद्वार, और नासिक उज्जैन, के महाकुंभ का अपना इतिहास है। साथ ही ये आयोजन देश के विभिन्न भागों में होने वाले मेलो की तुलना में विशाल और लंबे समय तक चलने वाले होते हैं। इस तरह के मेले या महापर्व इन स्थानों पर – प्रतिवर्ष न होकर बारह वर्ष में एक बार आयोजित होते हैं। इस कारण भी ये अधिक बड़े और अधिक महत्वपूर्ण बन गए हैं। सामान्यतः इन चारों मेलों का धार्मिक और ज्योतिष शास्त्रीय महत्व अधिक माना गया है, लेकिन इनके सामाजिक महत्व को भी कम नहीं कहा जा सकता है। वैसे इन चारों कुंभों में साधु–महात्मा बड़ी मात्रा में आते हैं, और अपने अपने मतों का प्रचार प्रसार भी करते हैं। इस तरह कुंभ महापर्व सामाजिक जीवन के परिवर्तन और नियंत्रण की स्थितियों को समझने और उनके संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश प्रदान करने के लिए अत्यंत ही उपयोगी सिद्ध होते हैं।

इंटीमेट सीन को लेकर बोलीं सयानी गुप्ता, कहा...

फीमेल आर्टिस्ट को कई मुश्किलें होती हैं, कट होने के बाद भी बोल्ड सीन का फायदा उठाया जाता है

सयानी गुप्ता ने हाल ही में बोल्ड और इंटीमेट सीन को लेकर हैरान करने वाला किस्सा शेयर किया। उन्होंने कहा कि बोल्ड सीन का फायदा उठाने की कोशिश की जाती है। एक्ट्रेस ने अपने साथ हुए एक किस्से को शेयर करते हुए कहा कि एक एक्टर कट बोलने के बाद भी उन्हें लगातार किस करता रहा था। इंटीमेट सीन करने में फीमेल आर्टिस्ट होती हैं अनकंफर्टेबल सयानी ने कहा कि इस तरह के सीन को शूट करने में कई बार फीमेल आर्टिस्ट को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। कई बार तो ऐसा होता है जब सीन कट होने के बाद भी एक्टर बोल्ड सीन का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। सयानी गुप्ता ने बताया कि एक बार जब वह इंटीमेट सीन की शूटिंग कर रही थीं तो एक को–एक्टर ने इंटीमेट सीन के दौरान उनका फायदा उठाने की कोशिश की थी। शॉट कट होने के बाद भी चलता रहा सीन – सयानी सयानी गुप्ता ने रेडियो नशा से बातचीत में इस घटना को शेयर करते हुए बताया कि जब वह एक इंटीमेट सीन की शूटिंग कर रही थीं तो डायरेक्टर के कट बोलने के बाद भी एक्टर ने उन्हें किस करना बंद नहीं किया। सयानी ने कहा– श्बहुत लोग इंटीमेट सीन का फायदा उठाते हैं। एक एक्टर को ऐसा बिहेवियर नहीं रखना चाहिए।श छोटी ड्रेस से अनकंफर्टेबल फील हुआ– सयानी बातचीत के दौरान सयानी ने एक और किस्सा शेयर किया। जिसकी वजह से उन्हें बहुत अनकंफर्टेबल फील हुआ था। सयानी ने बताया कि श्फोर मोर शॉट्स प्लीजश के पहले सीजन की शूटिंग के दौरान श्मुझे एक छोटी ड्रेस पहनकर समुंदर के किनारे रेत पर लेटना था। इस दौरान मेरे सामने क्रू के साथ–साथ लगभग 70 लोग थे। उस समय मुझे बहुत ज्यादा अनसेफ फील हुआ था। क्योंकि उन 70 आदमियों के अलावा वहां कोई नहीं था।श शॉल के लिए हुई थीं परेशान सयानी ने बताया– श्कुछ टाइम पहले की बात है। सेट पर ज्यादा स्टाफ नहीं था। उस दिन 800 एक्स्ट्रा आर्टिस्ट आए थे और शूट के समय मेरे मन में चल रहा था कि मुझे एक शॉल की जरूरत है। लेकिन, कई बार ऐसा होता है। कि हम इतनी जल्दी–जल्दी में शूटिंग करते हैं कि किसी के भी दिमाग में सेफ्टी को लेकर कोई थॉट तक नहीं आता। ये जरूरी नहीं कि सिर्फ इंटीमेट सीन में ही अनकंफर्टेबल फील हो बल्कि कई बार आपकी लिमिट से भी कॉम्प्रोमाइज किया जाता है। ये एक नार्मल मेंटालिटी है, जिसे सही करने की बहुत जरूरत है।श एक्टर ने सीन कट होने के बाद भी किस करना जारी रखा– सयानी सयानी गुप्ता ने रेडियो नशा के साथ बातचीत में इस घटना का खुलासा किया। उन्होंने इस बारे में बात करते हुए बताया कि कैसे जब वह एक इंटीमेट सीन की शूटिंग कर रही थीं तो डायरेक्टर के कट बोलने के बाद भी एक्टर ने उन्हें किस करना बंद नहीं किया। सयानी ने कहा– श्बहुत से लोग इसका (इंटीमेट सीन का) फायदा उठाते हैं। मेरे साथ भी ऐसी घटनाएं हुई हैं। एक बार एक एक्टर ने डायरेक्टर के कट बोलने के बाद भी मुझे किस करना जारी रखा। एक एक्टर को ऐसा बर्ताव शोभा नहीं देता।श 70 आदमियों के सामने छोटी ड्रेस में समुंदर किनारे लेटना पड़ा सयानी ने इसी दौरान एक और किस्सा शेयर किया, जिसने उन्हें बहुत अनकम्फर्टेबल फील कराया था। सयानी ने श्फोर मोर शॉट्स प्लीजश के पहले सीजन की शूटिंग से जुड़ा किस्सा शेयर किया और बताया कि एक सीन की शूटिंग के दौरान वह बेहद असहज हो गई थीं। अभिनेत्री ने इसके बारे में बताते हुए कहा– श्मुझे एक छोटी सी ड्रेस पहनकर समुंदर के किनारे रेत पर लेटना था। इस दौरान मेरे सामने क्रू के साथ–साथ लगभग 70 लोग थे। उस समय मुझे बहुत ही ज्यादा अनसेफ लग रहा था, क्योंकि मेरे सामने करीब 70 आदमी रेत के पास थे। सेट पर मेरे अगल–बगल कोई नहीं था। यहां तक कि ज्यादा स्टाफ भी नहीं था।श शॉल के लिए हुईं परेशान सयानी ने इसी दौरान एक और किस्सा शेयर किया, वह कहती हैं– श्कुछ टाइम पहले की बात है। वहां ज्यादा स्टाफ नहीं था। उस दिन 800 एक्स्ट्रा आर्टिस्ट थे और मेरे मन में चल रहा था कि वहां मुझे एक शॉल के साथ बस एक शख्स की जरूरत है। लेकिन, कई बार ऐसा होता है। हमने इतनी जल्दी–जल्दी में शूटिंग की थी कि किसी के भी दिमाग में सुरक्षा को लेकर कोई थॉट नहीं था। जरूरी नहीं कि ये एक इंटीमेट सीन हो, लेकिन कई बार आपकी लिमिट से समझौता किया जाता है। ये एक आम मानसिकता है, जिसे सही करने की बहुत जरूरत है।श कैसे शूट होते हैं इंटीमेट सीन फिल्मों में दिखने वाली चकाचौंध के पीछे की असलियत कई बार वैसी नहीं होती जैसी आपको दिखाई देती है। ये कई बार बहुत ट्रिकी भी हो सकते हैं। एक डायरेक्टर के दिमाग में क्या है और वो कैसा सीन चाहता है उसे पर्दे पर लाना चुनौतीपर्ण हो सकता है। ये तय करना एक्टर्स के हाथ में होता है कि वो उसे समझे और फिर पर्दे पर उतारें। इनमें सबसे ज्यादा दिक्कत आती है किसी इंटीमेट शूट के दौरान। कई बार एक दूसरे को कम्फर्टेबल करने के लिए सीन को लेकर एक्टर लंबा डिस्कशन भी करते हैं। लेकिन केस हमेशा एक जैसा नहीं रहता।यह भी पढ़ेंरू कौन हैं ँपदंइ त्ंअकरमम? नागार्जुन के छोटे बेटे अखिल अक्किनेनी की बनेंगी दुल्हनिया, रचाई सगाई अब इस मामले पर बात करते हुए एक्टर सयानी गुप्ता ने रेडियो नशा के साथ कई सारी बातें शेयर कीं। एक्ट्रेस ने इंटीमेसी सीन्स को लेकर बात की। उन्होंने बताया कि बदलते समय के साथ काफी चीजें सुधर रही है। अब इंटीमेट सीन या बोल्ड सीन शूट करते वक्त सेट पर इंटिमेसी कोर्डिनेटर और डायरेक्टर होते हैं। वह बहुत ही प्रोफेशनली शूट होते हैं लेकिन कई लोग इसका फायदा भी उठा लेते हैं। मेरे आसपास कोई स्टाफ नहीं था – सयानी एक्ट्रेस ने फोर मोर शॉट्स के वक्त सेट पर सुरक्षा को लेकर भी बात की। एक्ट्रेस गोवा में शूट कर रही थीं। उन्होंने कहा,श्मुझे एक छोटी ड्रेस में समुंदर किनारे रेत पर लेटना पड़ा और मेरे सामने क्रू के साथ–साथ लगभग 70 लोग थे। मैं उस समय बहुत अनसेफ महसूस कर रही थी, क्योंकि मेरे सामने लगभग 70 आदमी थे। सेट पर मेरे बगल में एक भी शख्स नहीं था जो मुझे शॉल दे सके। यहां तक घ्कि स्टाफ का भी कोई मेंबर नहीं था।श कट बोलने के बाद भी करता रहा झपेसयानी गुप्ता ने आगे कहा, श्मैं इंटीमेसी को लेकर पूरी किताब लिख सकती हूं। लेकिन अब मैं शुक्रगुजार हूं कि हमारे प्रोफेशन में अब इंटीमेसी कोर्डिनेटर होते हैं। मैं साल 2013 में मार्गरीटा विद ए स्ट्रॉ फिल्म के लिए शूट कर रही थी। कुछ लोग कहते हैं कि इंटीमेट सीन करना आसान होता है क्योंकि ये बहुत ही टेक्निकल तरीके से होता है। लेकिन इसकी आड़ में कुछ लोग इसका फायदा भी उठाते हैं। मैंने ये झेला है जहां डॉक्टर के कट बोलने के बाद भी वो शख्स मुझे किस करता रहा।श को–एक्टर ने किया दुर्व्यवहार सयानी गुप्ता ने एक इंटरव्यू में बताया कि एक इंटीमेट सीन की शूटिंग के दौरान उनके को–एक्टर ने उनकी सहमति का उल्लंघन किया। उन्होंने कहा, "डायरेक्टर के 'कट' बोलने के बाद भी एक्टर ने मुझे किस करना बंद नहीं किया। यह बहुत ही असहज स्थिति थी। सेट पर एक्टर को अपनी सीमाएं समझनी चाहिए और इस तरह का व्यवहार बिल्कुल अस्वीकार्य है।" समुंदर किनारे शूटिंग का अनुभव फोर मोर शॉट्स प्लीज वेब सीरीज के पहले सीजन की शूटिंग के दौरान, सयानी ने एक और असहज अनुभव साझा किया। उन्होंने कहा, "मुझे एक छोटी ड्रेस पहनकर समुंदर किनारे रेत पर लेटना था। सेट पर लगभग 70 लोग मौजूद थे और सुरक्षा का कोई इंतजाम नहीं था। उस समय मुझे बेहद असुरक्षित महसूस हुआ।" सुरक्षा को लेकर सेट पर लापरवाही सयानी ने एक और घटना का जिक्र करते हुए कहा कि शूटिंग के दौरान सुरक्षा का अक्सर ध्यान नहीं रखा जाता। उन्होंने कहा, "एक बार 800 एक्स्ट्रा आर्टिस्ट के साथ शूटिंग हो रही थी। उस समय मैंने सिर्फ एक शॉल और एक व्यक्ति की जरूरत महसूस की। लेकिन सेट पर इतना बड़ा क्रू होने के बावजूद, मेरी सुरक्षा को लेकर किसी ने ध्यान नहीं दिया। यह एक आम समस्या है, जिसे सुलझाने की जरूरत है।" काम के माहौल में सुधार की जरूरत सयानी गुप्ता का यह खुलासा मनोरंजन जगत में वर्कप्लेस सेफ्टी (ूवताचसंबम ेंमिजल) और महिलाओं की सुरक्षा को लेकर कई सवाल खड़े करता है। इंडस्ट्री में महिलाओं के प्रति सम्मान और उनकी सीमाओं का ध्यान रखना बेहद जरूरी है।

श्रीकांत की स्क्रीनिंग पर अलाया एफ ने बॉस लेडी लुक में लूटी महफिल

श्श्रीकांतश की स्क्रीनिंग के दौरान अलाया एफ किसी ब्यूटी क्वीन से कम नहीं लग रहीं थीं और उनका स्वैग भी...

ट्रांसपेरेंट ड्रेस में उर्फी जावेद ने फिर खींचा फैंस का ध्यान, क्या आपने देखीं ये फोटोज

उर्फी जावेद ब्लैक प्रिंट वाली ट्रांसपेरेंट ड्रेस में पैप्स को पोज देती नजर आ रहीं हैं, यहां...

अर्जुन कपूर ने हालिया इंटरव्यू में बहन जान्हवी और खुशी कपूर के साथ अपनी बॉन्डिंग पर बात की है। उन्होंने बताया है कि जान्हवी उनके बुरे वक्त में भी साथ खड़ी थीं। अर्जुन ने यह भी बताया कि ऐसे भी दिन आए हैं, जब दोनों बहनों ने उनका हाथ पकड़कर उन्हें सबसे मुश्किल वक्त से बाहर निकाला है। गलाटा इंडिया को दिए इंटरव्यू में अर्जुन ने कहा– वे दोनों वास्तव में मेरे पीछे खड़ी रही हैं। मुझे पता है कि ऐसा लगता है कि जैसे मैं भाई हूं, जो उनकी सभी चीजों का देखभाल कर रहा हूं। लेकिन यह हमेशा ऐसा नहीं होता है। ऐसे पल आते हैं जब आप भी सेफ फील नहीं करते हैं। जान्हवी ने मेरा कमजोर पक्ष देखा है। अर्जुन बोले– मैं दोनों बहनों से बहुत प्यार करता हूं अर्जुन ने आगे कहा– मेरी जिंदगी में जान्हवी और खुशी का होना मेरे लिए बेहतर है। मैं उन्हें प्यार करता हूं। मैं उनकी परवाह करता हूं। मुझे बहुत खुशी है कि वो अच्छा कर रही हैं। मुझे यह कहते हुए भी अच्छा लगा रहा है कि दोनों बहुत अच्छी तरह से पले–बढ़े बच्चे हैं। जान्हवी ने भी की भाई की तारीफ इस मौके पर जान्हवी कपूर का वॉयस नोट सुनाया गया। वॉयस नोट में उन्होंने भाई अर्जुन के बारे में कहा– हमने इन्हें पिछले 2 सालों से इंतजार करते हुए देखा है। जान्हवी ने यह भी शेयर किया है कि अर्जुन के लिए यह सफर आसान नहीं रहा है।

अनन्या पांडे ने इनसाइडर और आउटसाइडर की बहस पर अपनी राय रखते हुए एक अहम जगह पर शाहरुख खान का भी नाम ले लिया है. यहां जानिए स्टार किड अनन्या का स्टार किड्स पर क्या सोचना है स्टार किड्स टै आउटसाइडर्स पर अनन्या पांडेरू बताए फिल्मी बैकग्राउंड से होने के नुकसान, बातचीत में शाहरुख का भी लिया नाम स्टार किड्स टै आउटसाइडर्स पर चर्चा होना तो आम बात है. हाल में कृति सेनन ने स्टार किड्स पर बात करते हुए दर्शकों को जिम्मेदार ठहाराया और अब खुद स्टार किड अनन्या पांडे ने स्टार किड होने पर अपनी राय रखी. आपको बताते हैं कि इनसाइडर और आउटसाइडर को लेकर उनका क्या सोचना है. अनन्या पांडे हाल में व्ज्ज पर नजर आईं जिसके लिए उन्हें सराहा भी गया. अनन्या ने जब से बॉलीवुड में कदम रखा है तभी से लोगों का मानना है कि अनन्या को इतनी अच्छी फिल्में और वेब सीरीज इसलिए मिलती हैं, क्योंकि वो एक स्टार किड हैं. इसी परेशानी के बारे में हाल ही में अनन्या ने एक पॉडकास्ट में बात की. स्टार किड के फायदे और नुकसान बता गईं अनन्या अनन्या से जब सवाल पूछा गया कि स्टार किड होने के फायदे और नुकसान क्या है तो इस पर उन्होंने बताया कि स्टार किड होने का फायदा है कि आप घर में सब कुछ देख चुके होते हैं कुछ नया नहीं है. इंडस्ट्री के उतार–चढ़ाव के बारे में आपको पता होता है. तो वहीं जब बात श्स्टार किडश होने के नुकसान की हुई। तो उन्होंने कहा कि– लोग स्टार किड होने को शर्मिंदगी महसूस कराते हैं. मैं अपने पिता की वजह से शर्मिंदा नहीं हूं. मेरे पिता ने कड़ी मेहनत की और अपने लिए एक मुकाम बनाया है. वो एक डॉक्टर परिवार से आते हैं लेकिन उन्होंने एक्टर बनने का सोचा और ऐसा करके भी दिखाया. लोग उनके काम को बहुत पसंद भी करते हैं. मैं अपने पिता के नाम से खुद अलग नहीं करना चाहती और न ये चाहती हूं कि लोग मुझे उनके नाम से न जाने. श्स्टार किडश शब्द नहीं है।

वेडिंग फैशन ब्रांड के लॉन्च पर अनन्या पांडे ने गिराई हुस्न की बिजलियां

एक डिजाइनर वेडिंग फैशन ब्रांड के लॉन्च के मौके पर अनन्या पांडे ने दिए गजब के पोज, यहां देखें...

सर्दियों में उंगलियों में सूजन के कारण

सर्दियों में हाथ–पैरों की उंगलियां सूजने और लाल होने की समस्या को आमतौर पर चिलब्लेंस कहा जाता है। यह समस्या ठंड के मौसम में अत्यधिक ठंड और फिर अचानक गर्मी के संपर्क में आने के कारण होती है। इससे उंगलियां सूज सकती हैं, लाल हो सकती हैं, और उनमें खुजली या जलन महसूस हो सकती है। चलिए जानते हैं इसका कारण और इलाज।

कारण

ब्लड सर्कुलेशन का प्रभावः ठंड के कारण रक्त प्रवाह धीमा हो जाता है, जिससे हाथ–पैरों की उंगलियों में सूजन हो सकती है।

तापमान में अचानक बदलावः ठंडे वातावरण से अचानक गर्म स्थान पर आने से त्वचा और नसों पर दबाव पड़ता है।

सर्दियों में नमी की कमीः ठंड के कारण त्वचा ड्राई और संवेदनशील हो जाती है।

विटामिन की कमीः विटामिन डी, सी, और ई की कमी से त्वचा की स्थिति बिगड़ सकती है।

घरेलू उपचार

हल्दी और सरसों का तेल– एक चम्मच हल्दी को गर्म सरसों के तेल में मिलाकर उंगलियों पर लगाएं। यह सूजन और लालिमा कम करने में मदद करता है।

गर्म पानी में सेंधा नमक– एक टब में गुनगुने पानी में सेंधा नमक डालें। इसमें 10–15 मिनट के लिए हाथ–पैर डुबोएं। इससे ब्लड सर्कुलेशन बेहतर होता है।

नारियल का तेल और कपूर– नारियल के तेल में थोड़ा सा कपूर मिलाकर प्रभावित हिस्से पर मालिश करें। यह सूजन और खुजली को कम करने में कारगर है।

एलोवेरा जेल– ताजा एलोवेरा जेल लगाएं। यह ठंडक पहुंचाता है और त्वचा को मुलायम बनाता है।

लहसुन का उपयोग– लहसुन के तेल से प्रभावित हिस्से की मालिश करें। यह सूजन को कम करता है और ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाता है।

बचाव के उपाय

–हाथों और पैरों को ठंड से बचाने के लिए दस्ताने और मोजे पहनें।

– त्वचा को ड्राई होने से बचाने के लिए अच्छी गुणवत्ता वाला मॉइस्चराइजर लगाएं।

– ठंडे से गर्म जगह पर आने पर शरीर को अचानक गर्म न करें।

–विटामिन सी, ई, और प्रोटीन युक्त आहार लें।

– धूम्रपान से रक्त संचार प्रभावित हो सकता है।

डॉक्टर से कब संपर्क करें?

इन घरेलू उपायों और बचाव के तरीकों को अपनाकर आप सर्दियों में हाथ–पैरों की उंगलियों की समस्या से राहत पा सकते हैं। अगर सूजन ज्यादा है और दर्द असहनीय हो रहा है। उंगलियों में नीला या बैंगनी रंग दिखाई दे या फिर घाव या संक्रमण के लक्षण दिखें तो तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें।

प्याज काटते समय नहीं बहेंगे आंसू अपनाएं ये टिप्स

रसोई में छोटे–मोटे काम कभी–कभी बहुत बड़ी परेशानी बन जाते हैं। चाहे वो प्याज काटते वक्त आंखों से आंसू आना हो, धनिया का जल्दी खराब होना, या खाना पकाने में नमक ज्यादा पड़ जानाकृये सभी समस्याएं आम हैं। लेकिन इन स्मार्ट

किचन टिप्स की मदद से आप न केवल इन समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, बल्कि अपना काम भी जल्दी और आसान बना सकते हैं। आइए जानते हैं कुछ बेहतरीन हैक्स!

प्याज काटते वक्त आंसू नहीं निकलेंगे

प्याज काटने पर आंखों से आंसू आना आम समस्या है। इसका कारण प्याज में मौजूद सल्फर है, जो सेल्स टूटने पर रिलीज होता है। इसे रोकने के लिए ये टिप्स अपनाएं

चाकू गर्म करें

प्याज काटने से पहले चाकू को तेज आंच पर हल्का गर्म कर लें। इससे चाकू प्याज की परतों को तेजी और सफाई से काटता है, जिससे प्याज में मौजूद सल्फर तेजी से बाहर नहीं निकलता और आपकी आंखों में जलन नहीं होती। यह तरीका न केवल आंसुओं को रोकता है बल्कि प्याज काटने के काम को भी आसान और कम समय में पूरा कर देता है। यह खासतौर पर तब उपयोगी है जब आपको बड़े मात्रा में प्याज काटने हों।

प्याज को ठंडा करें

अगर प्याज काटते समय आंखों में जलन हो रही हो तो प्याज को छीलकर 20–25 मिनट के लिए डीप फ्रीजर में रख दें। ठंडा तापमान प्याज के अंदर सल्फर की क्रियाशीलता को कम कर देता है, जिससे आंखों में जलन नहीं होती। यह तरीका उन लोगों के लिए सबसे बढ़िया है जिनकी आंखें प्याज काटते ही तुरंत जलने लगती हैं। ठंडा प्याज काटने से स्लाइसिंग भी आसान हो जाती है, जिससे खाना पकाने का काम जल्दी और आराम से पूरा हो जाता है।

पॉपकॉर्न जल्दी और फ्लफी बनाएं

कई बार पॉपकॉर्न पूरी तरह नहीं फूटते या नरम रह जाते हैं। इसे सही से पकाने के लिए ये ट्रिक आजमाएंरू

नमक वाले पानी में भिगोएं

अगर पॉपकॉर्न के दाने पूरी तरह से नहीं फूटते हैं या सख्त रह जाते हैं, तो मक्के के दानों को 10–15 मिनट के लिए नमक वाले पानी में भिगोकर रखें। नमक का पानी दानों को अंदर से नमी देता है, जिससे वे पकने पर जल्दी फूटते हैं और अच्छे से फूल जाते हैं। भिगोने के बाद दानों को पैन में मक्खन और मसाले डालकर धीमी आंच पर ढककर पकाएं। यह तरीका पॉपकॉर्न को न केवल फ्लफी बनाता है बल्कि इसमें मसालों का स्वाद भी गहराई से समा जाता है। इस प्रक्रिया से पॉपकॉर्न का हर दाना फूटेगा और आपको बेहतरीन, स्वादिष्ट और क्रिस्पी पॉपकॉर्न मिलेगा।

स्नैक्स को कुरकुरा बनाने का तरीका

पकोड़े, टिक्की या चिकन विंग्स जैसे स्नैक्स तभी मजेदार लगते हैं जब वे क्रिस्पी हों। ब्रेडक्रंब्स खत्म हो जाएं, तो सूजी का इस्तेमाल करेंरू

बैटर में सूजी मिलाएं

अगर आप चाहते हैं कि आपके स्नैक्स जैसे पकोड़े, फ्रिटर्स या टिक्की ज्यादा कुरकुरे बनें, तो बैटर में थोड़ा सूजी मिलाएं। सूजी बैटर को गाढ़ा और क्रिस्पी बनाती है, जिससे तलने के बाद स्नैक्स का स्वाद और टेक्सचर दोनों बेहतर हो जाते हैं। यह ट्रिक खासतौर पर तब काम आती है जब आपको हल्के और कुरकुरे फ्रिटर्स चाहिए होते हैं। सूजी डालने से तेल भी ज्यादा नहीं लगता और स्नैक्स सुनहरे रंग के हो जाते हैं।

सूजी में रोल करें

अगर आप कटलेट, टिक्की या नुगेट्स जैसे स्नैक्स बना रहे हैं, तो तलने से पहले उन्हें सूजी में अच्छे से रोल करें। सूजी की परत तलने के दौरान एक सुनहरा और कुरकुरा क्रस्ट बनाती है, जो न केवल देखने में अच्छा लगता है बल्कि खाने में भी शानदार स्वाद देता है। यह ट्रिक ब्रेडक्रंब्स का बढ़िया विकल्प है, खासतौर पर जब ब्रेडक्रंब्स घर में उपलब्ध न हों।

खाने में ज्यादा नमक होने पर क्या करें?

आलू डालें

अगर करी या सब्जी में नमक ज्यादा हो जाए, तो एक कच्चा आलू छीलकर करी में डालें और इसे 10–15 मिनट तक पकने दें। आलू अतिरिक्त नमक को सोख लेता है और इसका स्वाद बैलेंस कर देता है। पकने के बाद आलू को निकाल दें, ताकि वह स्वाद को ज्यादा न बदल दे। यह ट्रिक लगभग हर तरह की ग्रेवी, सूप या सब्जी में काम करती है।

आटे की बॉल्स डालें

आटे की छोटी गोलियां बनाकर ग्रेवी या सब्जी में डालें। ये बॉल्स नमक को सोख लेती हैं और पकने के बाद इन्हें आसानी से निकाल सकते हैं। यह तरीका नमक ज्यादा होने की समस्या का तुरंत समाधान करता है।

गर्म करछी का इस्तेमाल करें

अगर करी या ग्रेवी ठंडी है और उसमें नमक ज्यादा हो गया है, तो एक करछी को तेज आंच पर गर्म करें और फिर इसे ग्रेवी में डुबोएं। करछी पर नमक चिपक जाएगा, जिससे ग्रेवी का नमक कम हो जाएगा। यह एक अनोखा और आसान तरीका है जिसे तुरंत आजमाया जा सकता है।

धनिया और पुदीना को लंबे समय तक फ्रेश रखें

पन्नी में पैक करें

धनिया को पहले अच्छे से धोकर और सुखाकर टिश्यू पेपर में लपेटें। फिर इसे एक सूखी पन्नी में टाइट पैक करें। ध्यान दें कि पन्नी में नमी न हो, क्योंकि इससे धनिया जल्दी खराब हो सकता है। इस तरीके से धनिया 10–15 दिनों तक ताजा और हरा बना रहता है।

अंडे के छिलके का उपयोग करें

धनिया को एक एयरटाइट कंटेनर में स्टोर करें और उसमें ऊपर से अंडे के छिलके डाल दें। छिलके नमी को सोख लेते हैं, जिससे धनिया लंबे समय तक खराब नहीं होता। यह तरीका पुदीना और दूसरी हर्ब्स के लिए भी बहुत कारगर है।

तेल को दोबारा इस्तेमाल करने के लिए साफ करें

कच्चे चावल डालें

जब आप पूड़ी या पकौड़े तलने के बाद बचे हुए तेल को दोबारा इस्तेमाल करना चाहते हैं, तो उसमें मौजूद जले हुए टुकड़ों को साफ करने के लिए तेल को हल्का गर्म करें और उसमें मुट्ठी भर कच्चे चावल डालें। चावल जले हुए कणों और रेजिड्यू को सोख लेते हैं। जब चावल भूरा हो जाए, तो तेल को छान लें और इसे आगे इस्तेमाल करें।

आलू का टुकड़ा डालें

गर्म तेल में कच्चे आलू का एक बड़ा टुकड़ा डालें। यह तेल में मौजूद जले हुए अवशेषों और गंध को सोख लेता है। जब आलू सुनहरा भूरा हो जाए, तो उसे हटा दें और तेल को छान लें। इससे तेल को बार–बार इस्तेमाल करने पर भी उसका स्वाद और गुणवत्ता बरकरार रहती है। इन छोटे–छोटे टिप्स की मदद से आप अपनी रसोई के काम को आसान बना सकते हैं। अगर आपके पास भी कोई अनोखा किचन हैक है, तो उसे जरूर साझा करें!

सर्दियों में रात में चेहरे पर क्यों लगाएं?

सर्दियों में हमारी स्किन को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत होती है। वहीं जब स्किन का सही से ध्यान नहीं रखा जाता है, तो इसका निखार खोने लगता है। ऐसे में आप कुछ टिप्स अपनाकर घर पर पार्लर जैसा निखार पा सकती हैं।

सर्दियों में हमारी स्किन को एक्स्ट्रा केयर की जरूरत होती है। वहीं जब स्किन का सही से ध्यान नहीं रखा जाता है, तो इसका निखार खोने लगता है और चेहरा डल पड़ने लगता है। हम सभी सर्दियों में फेस को मॉइश्चराइज करने के लिए कोल्ड क्रीम का इस्तेमाल करते हैं। हालांकि इससे चेहरे का रूखापन भले ही थोड़ी देर के लिए चला जाता है, लेकिन साथ ही चेहरे का निखार भी जाने लगता है। अगर सर्दियों में आपके चेहरे का नूर भी खो जाता है, तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि किस तरह से आप घर पर ही पार्लर जैसा निखार पा सकते हैं।

शहद

फेस पर शहद लगाने से आपका खोया हुआ निखार वापस आ सकता है। वहीं सर्दी के मौसम में चेहरे को मॉइश्चराइज करने का यह एक अच्छा घरेलू तरीका भी माना जाता है। शहद की मदद से आप अपने चेहरे की खोई हुई रंगत को भी वापस पा सकती हैं। साथ ही चेहरे पर होने वाले दाग–धब्बों और झुर्रियों को भी यह गायब करने का एक अच्छा ऑप्शन है।

बेसन

बता दें कि त्वचा के लिए बेसन एक अच्छा घरेलू तरीका माना जाता है।

इससे आप घर पर ही पार्लर जैसा निखार पा सकते हैं। चेहरे पर बेसन और हल्दी में कच्चा दूध मिलाकर पेस्ट तैयार कर लें। फिर इसको फेस पर अप्लाई करें और 15 मिनट तक सूखने दें। अब पानी से फेसवॉश कर लें। इससे फेसपैक से आप अपनी त्वचा में खुद बदलाव देख सकेंगी। एक्सपर्ट की मानें, तो बेसन और हल्दी का पेस्ट स्किन के लिए काफी अच्छा होता है।

नींबू

फेस के रूखेपन को दूर करने और खोए हुए निखार को वापस पाने के लिए आप नींबू का भी इस्तेमाल कर सकती हैं। क्योंकि नींबू विटामिन सी से भरपूर होता है और यह स्किन के लिए भी काफी गुणकारी माना जाता है। आप अपने चेहरे पर नींबू की सहायता से निखार पा सकते हैं।

पपीता

स्किन का निखान बढ़ाने के लिए आप चेहरे पर पपीते का पेस्ट भी लगा सकती हैं। ब्यूटी एक्सपर्ट की मानें, तो फेस पर पपीते का पेस्ट लगाना काफी अच्छा होता है। पपीते का पेस्ट चेहरे पर अप्लाई करने से रंगत में भी सुधार होता है।

एलोवेरा जेल

स्किन के अलावा बालों के लिए भी यह काफी अच्छा माना जाता है। अगर आप सर्दियों में अपने चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाते हैं, तो आप अपना खोया निखार वापस पा सकते हैं। इसके लिए आपको सप्ताह में दो बार अपने फेस पर एलोवेरा जेल अप्लाई करना चाहिए।

हेल्दी स्किन के लिए फॉलो करें ये ब्यूटी टिप्स

आज हम आपको एक ऐसा डी टैन पैक बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं, जो डेड स्किन को रिमूव करेगा, स्किन को पोषण देगा, टैनिंग और जमी हुई गंदगी को साफ कर त्वचा को निखार देने में मदद करेगा।

बढ़ती धूल–मिट्टी और प्रदूषण के कारण हमारी त्वचा रूखी, बेजान और डल नजर आने लगती है। ऐसे में स्किन केयर के लिए हम भर–भर के क्रीम और लोशन आदि लगाते हैं, लेकिन इसके बाद भी स्किन का रंग और गंदगी साफ नहीं होती है। जिसकी वजह त्वचा को सही पोषण न मिलना और सफाई न होना शामिल है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको एक ऐसा डी टैन पैक बनाने के तरीके के बारे में बताने जा रहे हैं, जो डेड स्किन को रिमूव करेगा, स्किन को पोषण देगा, टैनिंग और जमी हुई गंदगी को साफ कर त्वचा को निखार देने में मदद करेगा। इस डी टैन पैक को सिर्फ 20 मिनट अप्लाई करना है और आपको इसका असर पहले दिन से दिख जाएगा।

स्किन टैन क्यों होती है

अक्सर हमारी त्वचा का खुला हुआ हिस्सा ज्यादा काला होता है। वहीं जो स्किन कपड़े से ढकी होती है, वह काली नहीं होती है। सूरज की हानिकारक किरणों के एक्सपोजर में आने से मेलेनिन बढ़ता है और स्किन नमी और पोषण की कमी का शिकार होती है।

इसलिए जरूरी है कि आप समय–समय पर त्वचा को नरिश कर दें। स्किन में पोषण की कमी को पूरा करें और सन एक्सपोजर से बचें। इसके अलावा बेहतर रिजल्ट पाने के लिए आप हमारे बताए गए नुस्खे को अपना सकते हैं। साथ ही अपनी डल स्किन को ग्लोइंग बना सकती हैं।

डी–टैन पैक सामग्री

चावल का आटा– 3 चम्मच

बेसन– 2 चम्मच

कॉफी– 2 चम्मच

हल्दी– 1ध्2 चम्मच

चंदन– 1 चम्मच

दही– 4–5 चम्मच

गुलाब जल– जरूरत अनुसारध

ऐसे बनाएं पैक

सबसे पहले एक बाउल में चावल का आटा, कॉफी, बेसन, हल्दी, चंदन और दही डालकर अच्छे से मिक्स करें।

फिर इन चीजों में गुलाबजल मिलाकर गाढ़ा पेस्ट बना।

इस तरह से टैनिंग रिमूव करने वाला डी टैन पैक बनकर तैयार करे।

अब आप इसको फेस, गर्दन, कंधों और हाथों पर अप्लाई करें।

करीब 20 मिनट तक इस पैक को लगा रहने दें और फिर नॉर्मल पानी से धो लें।

इसको लगाने से आपका पूरा फेस और शरीर खिल उठेगा।

टैन रिमूव करने में कॉफी फायदेमंद

स्किन पर कॉफी का इस्तेमाल कई तरीकों से किया जाता है।

कॉफी में एक्सफोलिएटिंग गुण पाए जाते हैं, जो डेड स्किन सेल्स को हटाने में मदद करता है। फिर नई कोशिकाओं का निर्माण करता है।

इसके साथ ही कॉफी में मौजूद एंटी–इंफ्लामेटरी गुण सन टैन को कम करता है। कॉफी के छोटे–छोटे पार्टिकल हमारी स्किन के लिए स्क्रब की तरह काम करता है और इससे स्किन पोर्स की सफाई होती है और त्वचा साफ होती है।

त्वचा में निखार लाता है चंदन

बता दें कि चंदन स्किन में निखार लाने और एक्स्ट्रा ऑयल को साफ करने और नमी बनाए रखने में फायदेमंद होता है। चंदन पाउडर कोई ऐसा पाउडर नहीं है, जिसका इस्तेमाल आजकल में शुरू हुआ है, बल्कि इसका इस्तेमाल सालों से किया जा रहा है। चंदन हमारी स्किन को साफ और ग्लोइंग बनाता है। अगर आप हल्दी–चंदन का पेस्ट फेस पर लगाते हैं, तो यह निखार लाने में फायदेमंद साबित हो सकता है।

संक्षिप्त

राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट में राज्य के विकास के नए मानक स्थापित करने की क्षमता : आरएएनए

न्यूयॉर्क,एजेंसी। राजस्थान में आयोजित होने वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल समिट का प्रवासी भारतीय समुदाय के एक प्रमुख सदस्य ने स्वागत किया है। इस वैश्विक निवेशक सम्मेलन का उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी करेंगे। इस दौरान वैश्विक निवेशकों के लिए पर्यटन, सौर ऊर्जा, खनन और कपड़ा क्षेत्रों में राज्य की क्षमता को रेखांकित किया जाएगा। प्रधानमंत्री मोदी सीतापुरा में जयपुर प्रदर्शनी सम्मेलन केंद्र (जेईसीसी) में 9–11 दिसंबर तक चलते वाले राइजिंग राजस्थान ग्लोबल इन्वेस्टमेंट समिट का उद्घाटन करेंगे। आरएएनए के अध्यक्ष और न्यूयॉर्क स्थित सामाजिक कार्यकर्ता प्रेम भंडारी ने शुक्रवार को पीटीआई–को बताया, इस शिखर सम्मेलन में राजस्थान के विकास के लिए नए मानक स्थापित करने की क्षमता है। भंडारी ने शिखर सम्मेलन को एक उल्लेखनीय पहल बताया, जो राज्य के उज्जवल भविष्य का रास्ता तैयार करेगा। भंडारी ने पर्यटन, सौर ऊर्जा और खनन उद्योगों में अग्रणी राज्य के रूप में उभरने की राजस्थान की क्षमता पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि इसके अलावा कपड़ा क्षेत्र में भी वृद्धि की बहुत अधिक क्षमता है। उन्होंने बांग्लादेश के घटनाक्रम का जिक्र करते हुए कहा, भीलवाड़ा, पाली और जोधपुर जैसे स्थापित कपड़ा केंद्रों के साथ, राजस्थान इस अवसर का लाभ उठाने और कपड़ा क्षेत्र में नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए तैयार है।

शाकाहारी थाली सात प्रतिशत महंगी, टमाटर–आलू की महंगाई ने बिगाड़ा बजट

मुंबई, एजेंसी। टमाटर और आलू की कीमतें बढ़ने से नवंबर के महीने में घरेलू शाकाहारी भोजन साल भर पहले की तुलना में सात प्रतिशत तक महंगा हो गया। रेटिंग एजेंसी क्रिसिल की मासिक रोटी चावल दर रिपोर्ट कहती है कि नवंबर महीने में शाकाहारी थाली की कीमत सालाना आधार पर सात प्रतिशत बढ़कर 32.7 रुपये हो गई। वहीं मांसाहारी थाली के दाम दो

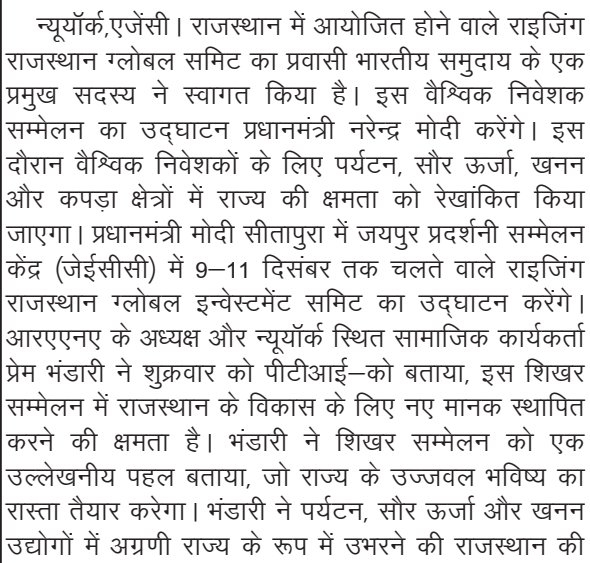

प्रतिशत बढ़े हैं। शाकाहारी थाली महंगी होने का मुख्य कारण टमाटर की कीमतों में 35 प्रतिशत और आलू की कीमतों में 50 प्रतिशत की उच्च बढ़ोतरी है। पिछले महीने टमाटर के दाम 53 रुपये प्रति किलो और आलू के दाम 37 रुपये प्रति किलो तक पहुंच गए। इसके अलावा, दालों की कीमतों में भी 10 प्रतिशत का उछाल देखने को मिला। हालांकि रिपोर्ट कहती है कि दिसंबर महीने में नई फसलों की आवक आने से इन उत्पादों के दाम गिरने की संभावना है। नवंबर में आयात शुल्क में बढ़ोतरी की वजह से वनस्पति तेल की कीमतें भी 13 प्रतिशत तक बढ़ गईं। राहत की बात यह रही कि एलपीजी की कीमतों में कटौती से ईंधन लागत 11 प्रतिशत घट गई। इससे घरेलू थाली की लागत पर दबाव कम करने में मदद मिली। बीते महीने मांसाहारी थाली की कीमत भी दो प्रतिशत बढ़कर 61. 5 रुपये हो गई। इस दौरान ब्रॉयलर मुर्गे की कीमत तीन प्रतिशत बढ़ी। मांसाहारी थाली की गणना में ब्रॉयलर का भारांक 50 प्रतिशत है। अक्टूबर की तुलना में शाकाहारी थाली की कीमत में दो प्रतिशत की गिरावट दर्ज की गई जिसके पीछे टमाटर की कीमतों में 17 प्रतिशत की मासिक गिरावट की अहम भूमिका रही। वहीं मांसाहारी थाली की कीमत स्थिर रही।

अंडमान में बड़े पैमाने पर आयकर छापे जारी, विभाग ने दी जानकारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आयकर विभाग के 120 से अधिक अधिकारी अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में कई स्थानों पर

तलाशी ले रहे हैं। एक वरिष्ठ अधिकारी ने शनिवार को यह जानकारी दी। आयकर अधिकारी ने बताया कि द्वीपसमूह के कुछ व्यापारियों द्वारा रिटर्न दाखिल करने में संदिग्ध अनियमितताओं के चलते 4 दिसंबर को तलाशी शुरू हुई थी और अभी भी कार्रवाई जारी है। अधिकारी ने बताया, ''कोलकाता से आई एक आयकर टीम पोर्ट ब्लेयर के चर्च रोड, फीनिक्स बे, मरीन हिल्स, एबरडीन बाजार और दिलानीपुर इलाकों में कई कार्यालयों में छापेमारी कर रही है। बाबू लेन और जंगलीघाट इलाकों में भी तलाशी अभियान चल रहा है।'' उन्होंने बताया कि एमजी रोड और गुरुद्वारा लेन स्थित कार्यालयों में भी इसी तरह की छापेमारी चल रही है। अधिकारी ने कहा, ''यह एक सुव्यवस्थित ऑपरेशन है और हम जल्द ही इसके निष्कर्षों का खुलासा करेंगे। हमें रिटर्न दाखिल करने में अनियमितता और जीएसटी से संबंधित मुद्दों का संदेह है।''

ट्रेविस हेड के नाम डे–नाइट टेस्ट का सबसे तेज शतक, भारत के खिलाफ तोड़ा अपना ही वर्ल्ड रिकॉर्ड

ट्रेविस हेड ने भारतीय गेंदबाजों को काफी परेशान किया। वहीं उन्हें रोकना भारतीय गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती रहा, हालांकि, मोहम्मद सिराज ने उन्हें अपना शिकार बनाया। शनिवार को खेले गए मुकाबले में ट्रेविस हेड ने शतक जड़कर तबाही मचाई। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए पहली पारी में 141 गेंदों में 140 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और 4 सिक्स शामिल हैं।

एडिलेड के ओवल में भारत ऑर ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा टेस्ट मैच खेला जा रहा है। इस दौरान कंगारू टीम की पारी के दौरान ट्रेविस हेड ने भारतीय गेंदबाजों को काफी परेशान किया। वहीं उन्हें रोकना भारतीय गेंदबाजों के लिए बड़ी चुनौती रहा, हालांकि, मोहम्मद सिराज ने उन्हें अपना शिकार बनाया। शनिवार को खेले गए मुकाबले में ट्रेविस हेड ने शतक जड़कर तबाही मचाई। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के लिए पहली पारी में 141 गेंदों में 140 रन बनाए, जिसमें 17 चौके और 4 सिक्स शामिल हैं। हेड ने 111 गेंदों में सेंचुरी कंप्लीट की। ये 30 वर्षीय हेड के टेस्ट करियर का आठवां शतक रहा। दरअसल, ट्रेविस हेड ने डे–नाइट टेस्ट में सबसे तेज शतक लगाने का कारनामा किया। उन्होंने अपना ही वर्ल्ड रिकॉर्ड तोड़ा है। उन्होंने 2022 में इंग्लैंड के खिलाफ 112 गेंदों में शतक जड़ा था। वह पिंक बॉल टेस्ट में 125 गेंदों में भी सेंचुरी पूरी कर चुके हैं। इंग्लैंड के दिग्गज बल्लेबाज जो रूट लिस्ट में चौथे नंबर पर हैं। उन्होंने 2017 में 130 गेंदों में सैकड़ा बनाया। हेड डे–नाइट टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले खिलाड़ियों की लिस्ट में दूसरे नंबर पर पहुंच गए हैं। उन्होंने पाकिस्तान के असद शफीक और श्रीलंका के दिमुथ करुणारत्ने का रिकॉर्ड

तोड़ा है।

डे–नाइट टेस्ट में सबसे ज्यादा शतक

4 मार्नस लाबुशेन

3 ट्रेविस हेड

2 असद शफीक और दिमुथ करुणारत्ने

बता दें कि, इससे पहले पर्थ टेस्ट में भी हेड का बल्ला खूब बोला था। पर्थ टेस्ट भारत ने 295 रनों से अपने नाम किया था। हेड ने पहले टेस्ट की दूसरी पारी में 101 गेंदों में 8 चौकों की मदद से 89 रन बनानए थे। वह आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चौंपियनशिप फाइनल और वनडे वर्ल्ड कप 2023 फाइनल में शतकीय पारी खेलकर भारत के ट्रॉफी के सपने को तोड़ चुके हैं।

स्टीव स्मिथ को जसप्रीत बुमराह ने दिया बड़ा घाव, भारतीय गेंदबाज ने बनाया शानदार रिकॉर्ड

जसप्रीत बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 41वें ओवर की पहली गेंद लेग स्टंप पर गुड लेंत पर डाली। दाएं हाथ के बल्लेबाज स्मिथ ने बल्ला चलाया, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा। गेंद बल्ले का महीन लेकर के पीछे चली गई और कीपर ऋषभ पंत ने डाइव लगातार कैच लपक लिया। इसी के साथ बुमराह ने 35 वर्षीय स्मिथ के खिलाफ एक शानदार रिकॉर्ड बनाया।

भारत के बेहतरीन तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को दुनिया के बड़े से बड़े बल्लेबाज घुटने टेक देते हैं। उनका सामना किसी कठिन चुनौती से कम नहीं होता। वह दुनियाभर में अपनी धाक जमा चुके हैं। बुमराह ने फिलहाल ऑस्ट्रेलिया दौरे पर कंगारूओं को परेशान कर रखा है। पर्थ में गर्दा उड़ाने के बाद एडिलेड में खेले जा रहे दूसरे टेस्ट में भी ऑस्ट्रेलिया की नाक में दम किया है। बुमराह ने डे–नाइट टेस्ट के दूसरे दिन फै फोर में शामिल स्टीव स्मिथ को सस्ते में पवेलियन भेजा। इस दौरान स्मिथ महज 2 रन ही बना पाए। बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया की पहली पारी के 41वें ओवर की पहली गेंद लेग स्टंप पर गुड लेंत पर डाली। दाएं हाथ के बल्लेबाज स्मिथ ने बल्ला चलाया, जिसका खामियाजा भुगतना पड़ा। गेंद बल्ले का महीन लेकर के पीछे चली गई और कीपर ऋषभ पंत ने डाइव लगातार कैच लपक लिया। इसी के साथ बुमराह ने 35 वर्षीय स्मिथ के खिलाफ एक शानदार रिकॉर्ड बनाया, जो भारतीय फैंस को गदगद कर देगा। वह स्मिथ को ऑस्ट्रेलियाई सरजमीं पर टेस्ट में तीन बार आउट करने वाले दुनिया के पहले गेंदबाज बन गए हैं, बुमराह ने पर्थ टेस्ट में स्मिथ को गोल्डन डक पर आउट किया था। बुमराह ने पर्थ, एडिलेड के अलावा स्मिथ का मेलबर्न क्रिकेट ग्राउंट में शिकार किया। ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज के बल्ले से 2020 में एमसीजी में महज 8 रन निकले थे। भारत के अनुभवी स्पिनर रविचंद्रन अश्विन ने स्मिथ को 2020–21 में ऑस्ट्रेलिया दौरे दो बार अपना शिकार बनाया। एडिलेड टेस्ट की बात करें तो बुमराह ने ऑस्ट्रेलिया के ओपनर उस्मान ख्वाजा और नाथम मैकस्वीनी को भी अपने जाल में फंसाया। भारत के 180 के जवाब में ऑस्ट्रेलियाई टीम ने पहली पारी में 5 विकेट गंवाकर 208 रन जुटाए। मार्नस लाबुशेन ने 64 रन बनाए, जिन्हें नितीश रेड्डी ने आउट किया।

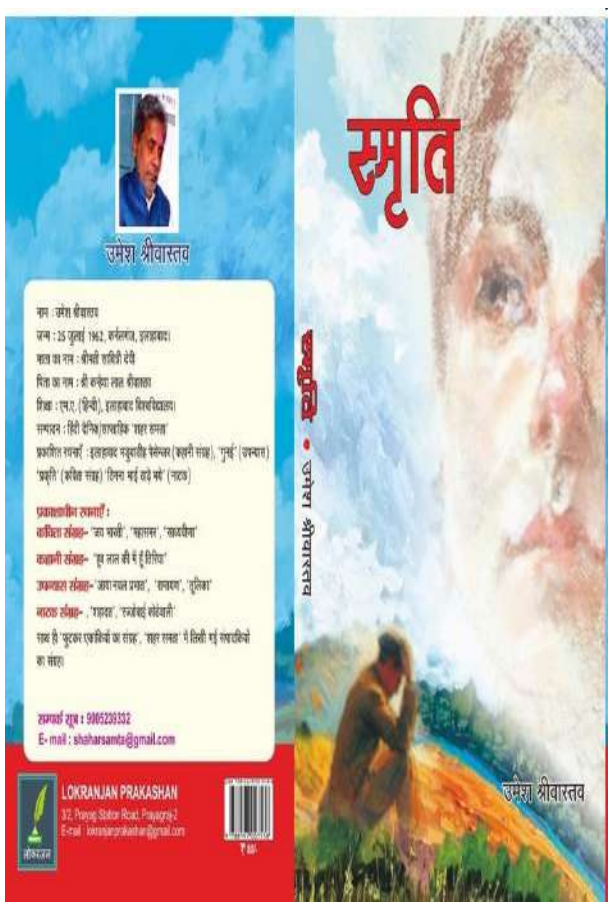

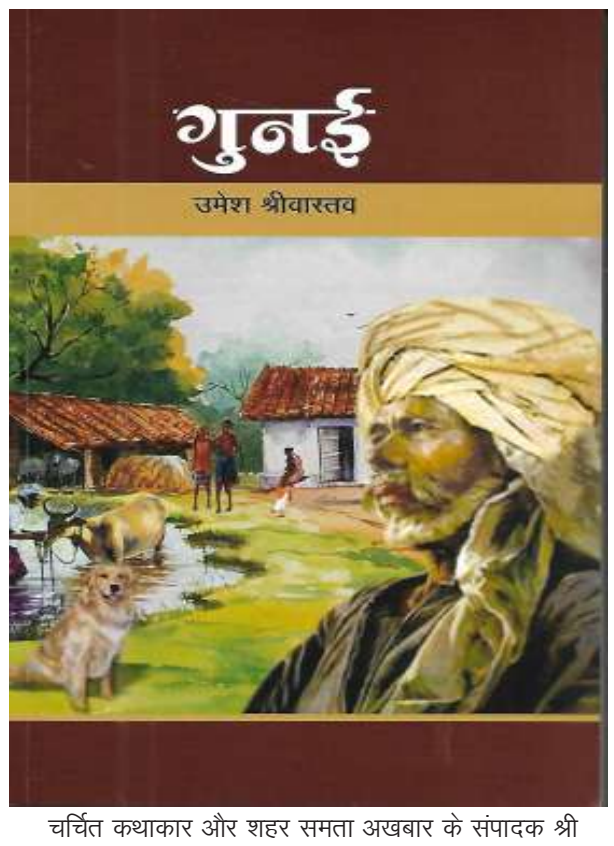

चर्चित कथाकार और शहर समता अखबार के संपादक श्री उमेश श्रीवास्तव जी का ग्रामीण पृष्ठभूमि पर लिखा बहु प्रतीक्षित उपन्यास गुनई अमेजन पर उपलब्ध हो गया है। पुस्तक

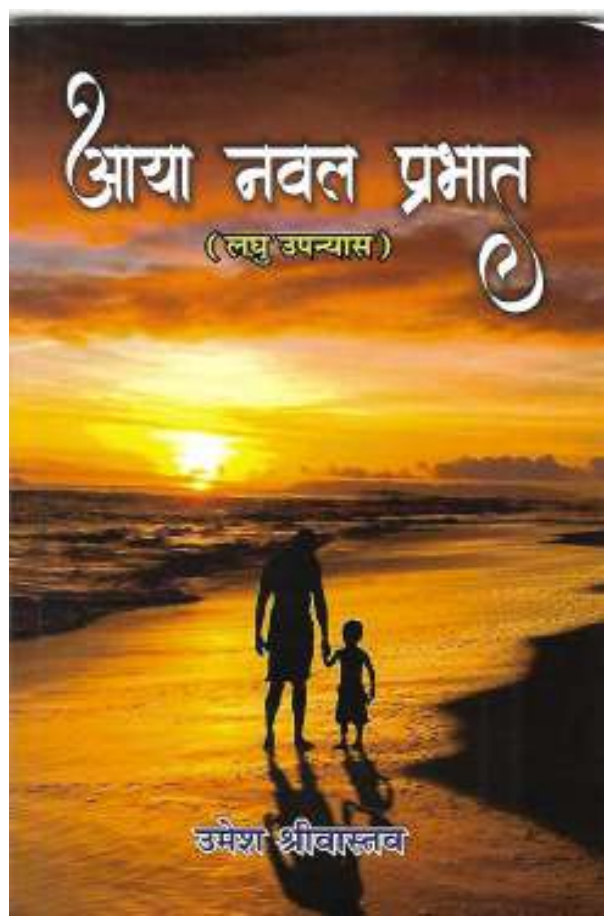

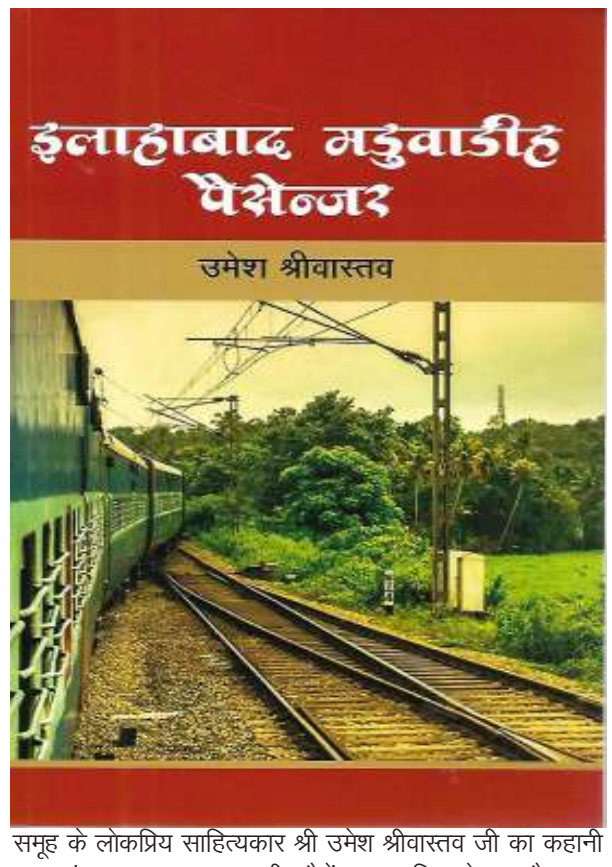

समूह के लोकप्रिय साहित्यकार श्री उमेश श्रीवास्तव जी का कहानी संग्रह इलाहाबाद मडुवाडीह पैसेंजर प्रकाशित हो गया है। उमेश श्रीवास्तव जी को बहुत बधाई एवम शुभकामना। पुस्तक अमेजन पर उपलब्ध है।

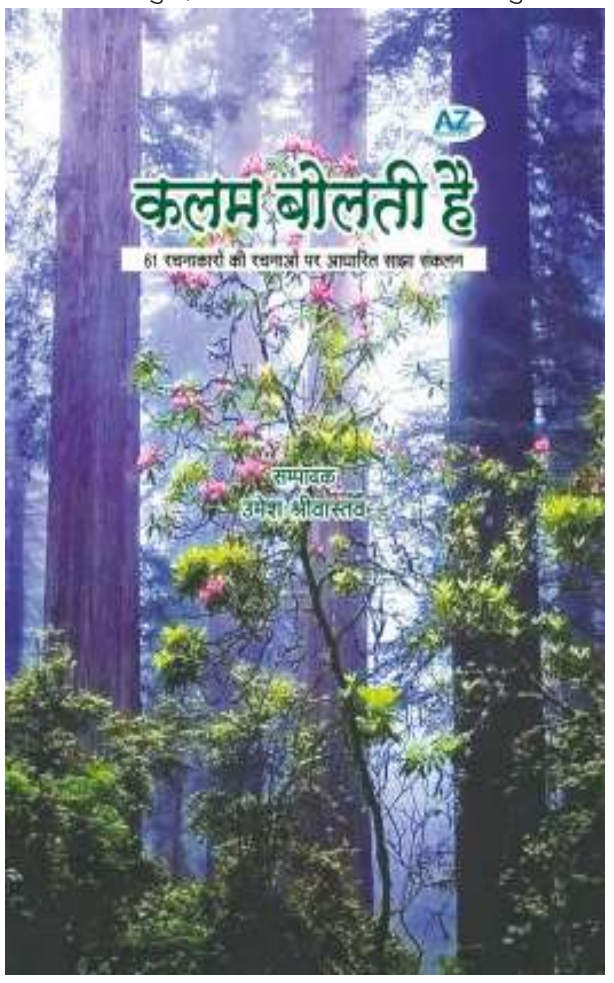

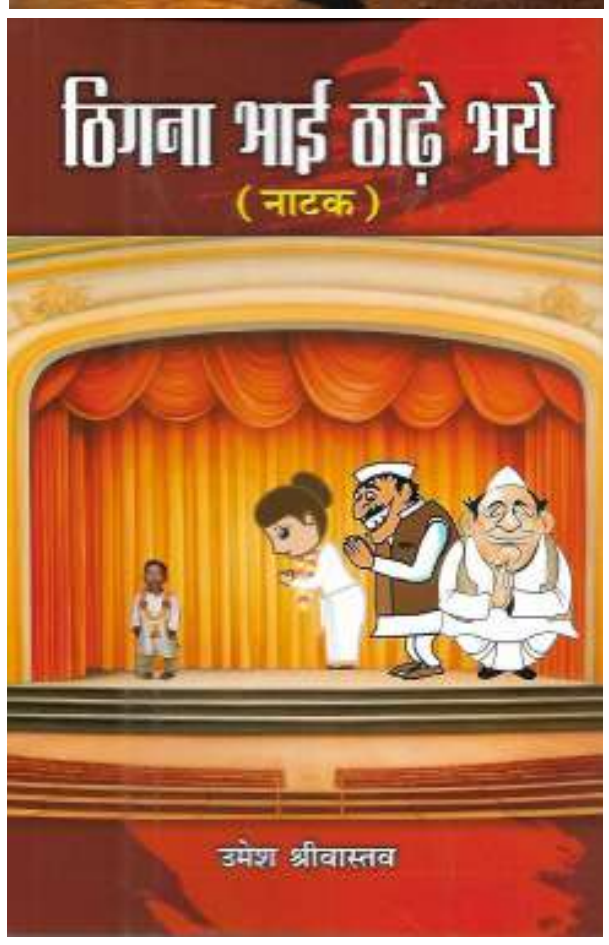

ठिगना भाई ठाढ़े भये (Thigna Bhai Thade Bhaye)

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले पर सांसद कृष्णमूर्ति चिंतित, कहा- लक्षित हिंसा को तुरंत रोका जाए

वॉशिंगटन, एजेंसी। बांग्लादेश में लगातार हिंदुओं को निशाना बनाया जा रहा। उपद्रवी कभी मंदिरों तो कभी उनके घरों को नुकसान पहुंचा रहे हैं। कुछ दिनों पहले हिंदुओं के जाने–माने नेता चिन्मय कृष्ण दास को भी गिरफ्तार कर लिया गया। गिरफ्तारी के बाद से यहां लगातार तनाव जारी है। इस पूरे मामले पर अमेरिकी सांसद ने चिंता जताई है। उनका कहना है कि बांग्लादेश को हिंदू विरोधी हिंसा को समाप्त करना चाहिए। साथ ही यह भी कहा कि मौलिक स्वतंत्रता का सम्मान होना चाहिए।

मानवाधिकारों को बनाए रखने का किया आह्वान

अमेरिकी सांसद राजा कृष्णमूर्ति ने चिन्मय दास की गिरफ्तारी के बाद बांग्लादेश में हाल ही में फैली अशांति पर गंभीर चिंता व्यक्त की। उन्होंने बांग्लादेशी सरकार से मानवाधिकारों को बनाए रखने, कानूनी सुरक्षा की गारंटी देने और हिंदुओं और अन्य अल्पसंख्यक समूहों के खिलाफ लक्षित हिंसा को समाप्त करने का आग्रह किया।

हिंसा स्वीकार नहीं की जा सकती : सांसद

उन्होंने कहा, बांग्लादेश में हिंदुओं और अन्य के खिलाफ जारी हिंसा स्वीकार नहीं की जा सकती है। इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। मैं बांग्लादेश सरकार से शांतिपूर्वक तनाव कम करने के लिए निर्णायक कदम उठाने का आग्रह करता हूं।

मौजूदा तनाव को कम करना जरूरी

इलिनोइस के सांसद ने शांतिपूर्ण विरोध–प्रदर्शनों की सुरक्षा के लिए बांग्लादेश की आवश्यकता पर प्रकाश डाला और यह सुनिश्चित किया कि गिरफ्तार व्यक्तियों को उचित कानूनी प्रतिनिधित्व मिले। उन्होंने कहा, बांग्लादेश सरकार को शांतिपूर्ण विरोध तथा उचित कानूनी प्रतिनिधित्व के अधिकारों सहित मानवाधिकारों और मौलिक स्वतंत्रता को बनाए रखना व उनकी रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि मौजूदा तनाव को कम करने के लिए इस तरह के उपाय महत्वपूर्ण हैं।

चिन्मय दास की गिरफ्तारी के बाद से बवाल

गौरतलब है कि 26 नवंबर को हिंदू आध्यात्मिक नेता चिन्मय कृष्ण दास ब्रह्मचारी की जमानत याचिका खारिज होने के बाद उनके समर्थकों ने जेल ले जा रहे जेल वैन को रोक दिया था। इस घटना के दौरान एक सरकारी वकील की मौत हो गई थी। दास को देशद्रोह के एक मामले में गिरफ्तार किया गया था। बाद में एक अदालत ने उन्हें जमानत देने से इनकार कर दिया था, जिससे राजधानी ढाका और बंदरगाह शहर चटगांव सहित विभिन्न स्थानों पर समुदाय के सदस्यों ने विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया था। अन्य घटनाक्रमों में बांग्लादेश के प्रमुख शहरों में अदालत परिसर में अफरातफरी नजर आई, जबकि अपदस्थ प्रधानमंत्री शेख हसीना की अवामी लीग पार्टी के कई नेताओं और करीबी सहयोगियों पर पुलिस सुरक्षा के बावजूद अदालत में पेशी के दौरान भीड़ ने हमला किया।

यूएन का दावा– 2 लाख 80 हजार से ज्यादा लोग विस्थापित, सीरिया के कई शहरों पर विद्रोहियों ने किया कब्जा

सीरिया, एजेंसी। सीरिया में हालात तनावपूर्ण हो गए हैं। असद शासन के खिलाफ अचानक और बड़े पैमाने पर हमले के बाद देश के उत्तर–पश्चिमी हिस्से में 280,000 से अधिक लोग विस्थापित हो गए हैं। पोस्ट में आगे कहा गया कि 13 साल के युद्ध के बाद पहले से ही खराब जीवन स्थितियों के बीच, संयुक्त राष्ट्र सबसे कमजोर लोगों की सहायता के लिए मानवीय प्रयासों को बढ़ा रहा है। इस बीच, हजारों नागरिक होम्स से भाग गए क्योंकि विद्रोही समूह हयात तहरीर अल–शाम (एचटीएस) ने शहर पर नियंत्रण कर लिया और दमिश्क की ओर बढ़ गए। सीरियन ऑब्जर्वेटरी फॉर ह्यूमन राइट्स (एसओएचआर) ने कहा कि हजारों लोग रातोंरात होम्स से पश्चिमी तट की ओर भाग गए, जहां संकटग्रस्त सीरियाई राष्ट्रपति बशर अल–असद ने अभी भी नियंत्रण बनाए रखा है। एचटीएस ने इदलिब के वास्तविक–नियंत्रित उत्तर–पश्चिमी क्षेत्र से असद के शासन के खिलाफ आक्रामक अभियान शुरू किया। तेजी से आगे बढ़ने के कारण नौ दिनों में अलेप्पो, हमा और होम्स गवर्नरेट के रस्तान और तलबीसेह सहित प्रमुख शहरों का पतन हो गया। ऑनलाइन प्रसारित हो रहे वीडियो में होम्स से भाग रहे लोगों से भरी कारों से राजमार्ग जाम हुआ दिखाई दे रहा है। होम्स महत्वपूर्ण है क्योंकि शहर में बड़ी आबादी असद के अलावाइट संप्रदाय के लोगों की है, जिन्हें उनके मुख्य समर्थकों के रूप में देखा जाता है। सीरियाई सेनाएं आक्रमण को रोकने में विफल रही हैं और पीछे हट गई हैं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि एचटीएस के नेतृत्व वाले विद्रोही बलों में तुर्की समर्थित सीरियाई मिलिशिया भी शामिल है जिसे सीरियाई राष्ट्रीय सेना कहा जाता है, हालांकि तुर्की सरकार ने किसी भी समर्थन से इनकार किया है। अचानक शुरू हुए तनाव ने लगभग 14 साल के गृह युद्ध में गतिरोध को और बढ़ा दिया है।

रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर के नतीजे को अदालत ने पलटा, रूस के दखल की आंशका के बाद फैसला

बुकारेस्ट, एजेंसी। रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव के पहले दौर के नतीजे को सर्वोच्च अदालत ने पलट दिया। अदालत ने अपने फैसले में बताया कि प्रक्रिया को फिर से शुरू किया जाना चाहिए। उन्हें इस नतीजे में रूस के शामिल होने का संदेह है, जिसके कारण राजनेता कैलिन जॉर्जेस्कू सबसे आगे निकले। अदालत का यह फैसला राष्ट्रपति क्लॉस इओहानिस के खुफिया जानकारी का खुलासा करने के बाद आया। उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान रोमानिया रूसी हमलों का लक्ष्य बन गया था। इस अभियान में कई सोशल मीडिया प्रोफाइल शामिल थे, जो टिकटॉक और टेलीग्राम जैसे प्लेटफार्मों पर जॉर्जेस्कू का समर्थन करते थे। शुक्रवार के फैसले में अदालत ने राष्ट्रपति के चुनाव के लिए पूरी चुनावी प्रक्रिया को रद्द करने का फैसला किया। अगालत ने अपने बयान में कहा, राष्ट्रपति का चुनाव करने के लिए चुनावी प्रक्रिया पूरी तरह से दोबारा शुरू की जाएगी, और सरकार आवश्यक कदमों के लिए एक नई तारीख तय करेगी। बता दें कि जॉर्जेस्कू अपने यूरोपीय संघ विरोधी और नाटो विरोधी रुख के लिए जाने जाते हैं। 25 नवंबर को रोमानिया के राष्ट्रपति चुनाव में सबसे आगे चल रहे थे। 62 वर्षीय कैलिन जॉर्जेस्कु के पास लगभग 23 प्रतिशत वोट थे। वहीं प्रधानमंत्री मार्सेल सिओलाकु 20 प्रतिशत वोट के साथ दूसरे स्थान पर थे। ऐसा माना जा रहा कि जनमत सर्वेक्षण में पांच प्रतिशत वोट पाने वाले जॉर्जेस्कू आठ दिसंबर को एक रन ऑफ वोट में सिओलाकु का सामना करने के लिए तैयार हैं।

कनाडा में भारतीय छात्र की चाकू घोंपकर हत्या, साथी गिरफ्तार

कनाडा, एजेंसी। कनाडा के ओंटारियो प्रांत में झगड़े के दौरान 22 वर्षीय भारतीय छात्र की चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने इस मामले में पीड़ित के साथ रहने वाले एक व्यक्ति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने एक बयान में बताया कि लैम्बटन कॉलेज में बिजनेस मैनेजमेंट के प्रथम वर्ष के छात्र गुरासिस सिंह की रविवार को सरनिया में चाकू घोंपकर हत्या कर दी गई। पुलिस को 194 क्वीन स्ट्रीट पर चाकू से हमला होने की जानकारी मिली, जहां सिंह और 36 वर्षीय आरोपी क्रॉस्ले हंटर एक कमरे में रहते थे। उन्होंने सिंह का शव बरामद किया और हंटर को हिरासत में ले लिया।

आवश्यकता है

उत्तर प्रदेश राज्य के प्रयागराज जिले से प्रकाशित समाचार पत्र को समस्त जनपदों में एवम तहसील व ब्लॉक/शहर में ब्यूरो प्रमुख, चीफ रिपोर्टर, संवाददाता, प्रतिनिधि मण्डल की अवश्यकता है जिन्हे आकर्षण वेतन और भत्ते आदि सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी।

सम्पर्क सूत्र

शहर समता हिन्दी दैनिक/साप्ताहिक समाचार पत्र

मोबाईल नम्बर 9190052 39332

919450482227

मसूद अज़हर मामले में भारत की फटकार, कहा- पाकिस्तान की दोहरी नीति हुई उजागर

बहावलपुर, एजेंसी। भारतीय अधिकारियों ने हाल ही में बहावलपुर में एक सार्वजनिक भाषण देने की खबरों पर जैश–ए–मोहम्मद (श्रमड) के प्रमुख मसूद अज़हर के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने में विफल रहने के लिए पाकिस्तान की निंदा की है। विदेश मंत्रालय या विदेश मंत्रालय ने अज़हर की गतिविधियों के संबंध में निष्क्रियता के लिए पाकिस्तान को फटकार लगाई और कहा कि आतंकवादी नेता के खिलाफ न्याय का समय आ गया है। एक प्रेस वार्ता में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने भारत की कई सीमा पार आतंकवादी हमलों में उसकी संलिप्तता की ओर इशारा करते हुए अज़हर के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की। जयसवाल ने कहा कि अगर ये रिपोर्टें सच हैं तो ये आतंकवाद के मुद्दे पर पाकिस्तान के 'दोहरेपन' को उजागर कर देंगी। जयसवाल ने कहा कि हम मांग करते हैं कि उसके (अजहर) खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाए और उसे न्याय के कटघरे में लाया जाए। इस बात से इनकार किया गया है कि वह पाकिस्तान में नहीं है, और अगर रिपोर्ट सही है, तो यह पाकिस्तान के दोहरेपन को उजागर करता है।'' अज़हर लंबे समय से भारतीय धरती पर कुछ सबसे विनाशकारी आतंकवादी घटनाओं से जुड़ा रहा है, जिसमें 2001 संसद हमला और 2019 पुलवामा हमला शामिल है। रिपोर्टों में दावा किया गया है कि अज़हर ने बहावलपुर में नफरत भरा भाषण दिया, उन्होंने इजरायली प्रधान मंत्री बेंजामिन नेतन्याहू को चूहा कहा और जम्मू–कश्मीर में और अधिक आतंकवाद को बढ़ावा देने की कसम खाई। नवंबर 2024 में दिए गए भाषण ने अज़हर के लगातार हिंसा भड़काने को लेकर चिंता की पुरानी लपटों को फिर से प्रज्वलित कर दिया। अज़हर पाकिस्तान स्थित जैश–ए–मोहम्मद का एक प्रमुख नेता है, जो भारत के खिलाफ कई बड़े हमलों में शामिल रहा है। सितंबर 2019 में, भारत ने गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम (यूएपीए) के तहत हाफिज मुहम्मद सईद के साथ–साथ अज़हर पर व्यक्तिगत आतंकवादी के रूप में आरोप लगाया। उनका समूह पुलवामा हमले के लिए ज़िम्मेदार था, जिसमें 40 भारतीय सैनिक मारे गए थे, जिसके बाद भारत और पाकिस्तान के बीच तनाव बढ़ गया था। भारत ने किसी भी अतिरिक्त हमले को रोकने और आतंकवाद के खिलाफ अंतरराष्ट्रीय दायित्वों को पूरा करने के लिए अज़हर के खिलाफ पाकिस्तान से विश्वसनीय कार्रवाई की अपनी मांग दोहराई है।

ब्रिटिश राजघराने ने वापस लिया सम्मान तो भड़के भारतवंशी सांसद, बोले- कानूनी कार्रवाई करूंगा

लंदन, एजेंसी। ब्रिटिश संसद के उच्च सदन श्हाउस ऑफ लॉर्ड्स' के भारतीय मूल के सदस्य रमिंदर सिंह रेंजर ने ब्रिटिश राजघराने की तरफ से दिए गए सम्मान को वापस लिए जाने के खिलाफ नाराजगी जाहिर की है। दरअसल, शुक्रवार को उन्हें कमांडर ऑफ द ब्रिटिश एंपायर (सीबीई) का सम्मान छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा। उन पर सम्मान प्रणाली को बदनाम करने का आरोप है। इस पर रमिंदर ने कहा है कि वह मामले में कानूनी कार्रवाई का सहारा लेंगे। कंजर्वेटिव पार्टी के सदस्य और ब्रिटेन स्थित एफएमसीजी कंपनी सन मार्क लिमिटेड के संस्थापक रमिंदर सिंह रेंजर को दिया सम्मान ब्रिटिश राजघराने के प्रमुख किंग चार्ल्स तृतीय की तरफ से रद्द और निरस्त कर दिया गया। रमिंदर को लॉर्ड रमी रेंजर के नाम से भी जाना जाता है। ब्रिटिश मंत्रिमंडल कार्यालय की जब्ती समिति ने हालांकि ऐसी सिफारिशों के पीछे के कारणों को स्पष्ट नहीं किया है, लेकिन यह कदम पिछले साल लॉर्ड्स की जांच के बाद उठाया गया है, जिसमें निष्कर्ष निकाला गया था कि रेंजर ने धमकाने और उत्पीड़न से संबंधित संसदीय आचार संहिता का उल्लंघन किया था। लॉर्ड रेंजर को 31 दिसंबर, 2015 को 'कमांडर ऑफ द सिविल डिविजन ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एंपायर' के रूप में नियुक्ति दी गई थी।

खालिस्तान समर्थकों के खिलाफ बोलने के लिए वापस लिया गया सम्मान

इस पूरे घटनाक्रम के बाद लॉर्ड रमी रेंजर की तरफ से आधिकारिक बयान में कहा गया, श्आज मुझे ब्रिटिश राजघराने से मिला सम्मान वापस ले लिया गया, क्योंकि मैंने भारत को तोड़ने का इरादा रखने वाले खालिस्तान समर्थकों और बीबीसी का विरोध किया था। उन्होंने आरोप लगाया कि बीबीसी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ एक दो एपिसोड की डॉक्यूमेंट्री बनाई है, जिसमें यह इशारा किया गया है कि 20 वर्ष पहले पीएम मोदी गुजरात दंगों में शामिल थे, जबकि भारत की शीर्ष अदालत उन्हें इस मामले में बरी कर चुकी है। लॉर्ड रेंजर ने इस मामले में पारदर्शिता की कमी और गोपनीयता के उच्च स्तर पर गंभीर चिंताएं जताईं और कहा कि वह अनुचित निर्णय को चुनौती देने पर विचार कर रहे हैं। उनके प्रवक्ता ने कहा, "लॉर्ड रेंजर ने कोई अपराध नहीं किया है और न ही उन्होंने कोई कानून तोड़ा है, जबकि जिन लोगों का सम्मान इस तरह से रद्द किया गया है, उनमें से अधिकांश ने या तो अपराध किया है या कानून तोड़ा है।" उन्होंने कहा कि इस तरह सम्मान वापस लिया जाना गंभीर बात है और यह इशारा है कि नागरिक अपने दिल की बातें न कहें और उनके खिलाफ न खड़े हों जो कि उनके देश और उन्हें नुकसान पहुंचाने की बात कर रहे हों। लॉर्ड रेंजर के प्रवक्ता ने कहा कि वह अपने लिए उपलब्ध विभिन्न कानूनी रास्तों के माध्यम से निवारण के सभी विकल्पों पर विचार कर रहे हैं तथा स्वयं को निर्दोष साबित करने के लिए इस अन्यायपूर्ण निर्णय को चुनौती देंगे। उन्होंने कहा कि लॉर्ड रेंजर सीबीई के पात्र प्राप्तकर्ता थे और जिस तरह से यह उनसे छीना गया है, वह शर्मनाक है।

एक और हिंदू समुदाय के प्रमुख चेहरे से छिना सम्मान

इसके साथ ही हिंदू समुदाय और अंतर–धार्मिक संबंधों में सेवाओं के लिए 'ऑफिसर ऑफ द सिविल डिविजन ऑफ द मोस्ट एक्सीलेंट ऑर्डर ऑफ द ब्रिटिश एंपायर' (ओबीई) के रूप में अनिल कुमार भनोट की दी गई नियुक्ति को भी रद्द कर दिया गया है। उन्हें जून 2010 में दिवंगत क्वीन एलिजाबेथ के जन्मदिन के अवसर पर हिंदू समुदाय और अंतर–धार्मिक संबंधों में उनकी सेवाओं के लिए ओबीई की उपाधि से सम्मानित किया गया था। मंत्रिमंडल कार्यालय के दिशा–निर्देशों के अनुसार, यदि कोई व्यक्ति किसी फौजदारी अपराध या ऐसे व्यवहार का दोषी पाया जाता है जिसके परिणामस्वरूप नियामक या पेशेवर निकाय द्वारा उसकी निंदा की जाती है, या ऐसा व्यवहार करता है जो सम्मान प्रणाली को बदनाम करने वाला माना जाता है तो उसका सम्मान वापस लिया जा सकता है।

संक्षिप्त समाचार

ट्रंप ने कठोर आव्रजन नीतियों के समर्थकों को सीमा शुल्क, सीमा सुरक्षा विभाग का प्रमुख नामित किया

वाशिंगटन, एजेंसी। अमेरिका के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा विभाग के प्रमुख के तौर पर रॉडने स्कॉट तथा आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन विभाग के प्रमुख पद के लिए कैलेब विटेलो को नामित किए जाने की घोषणा की है। ट्रंप ने कहा कि वह 'बॉर्डर पट्रोल' के पूर्व प्रमुख रॉडने स्कॉट को

सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा का प्रमुख नामित कर रहे हैं। स्कॉट आव्रजन के कठोर नियमों के मुखर समर्थक हैं। ट्रंप ने कहा कि वह आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) के प्रमुख के तौर पर विटेलो को नामित कर रहे है। विटेलो हाल में आग्नेयास्त्र और सामरिक कार्यक्रमों के सहायक निदेशक रहे हैं। स्कॉट और विटेलो के अलावा ट्रंप ने आव्रजन संबंधी टीम में गृह सुरक्षा विभाग के प्रमुख के रूप में साउथ डकोटा की गवर्नर क्रिस्टी नोएम, पूर्व कार्यवाहक आव्रजन एवं सीमा शुल्क प्रवर्तन प्रमुख टॉम होमन को 'बॉर्डर जार' और कठोर आव्रजन नीतियों के कट्टर समर्थक स्टीफन मिलर को 'डिप्टी चीफ ऑफ स्टाफ' के रूप में नामित किया है। सीमा शुल्क एवं सीमा सुरक्षा में लगभग 60,000 कर्मचारी हैं और यह एजेंसी गृह सुरक्षा विभाग के अंतर्गत आती है।

परमाणु हथियार में इस्तेमाल होने योग्य यूरेनियम के भंडार को बढ़ा रहा ईरान : आईएईए प्रमुख

मनामा (बहरीन),एजेंसी। अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) के प्रमुख ने चेतावनी दी कि ईरान परमाणु हथियार बनाने में इस्तेमाल होने योग्य यूरेनियम के भंडार को तेजी से बढ़ा रहा है और उसने उन्नत सेंट्रीफ्यूज का निर्माण शुरू कर दिया है। ईरान द्वारा अपने अब तक के सबसे ज्यादा वजन के साथ एक सफल अंतरिक्ष यान प्रक्षेपण की घोषणा किये जाने के कुछ घंटों बाद ही राफेल मारियानो ग्रॉसी ने यह टिप्पणी की। ईरान के सफल अंतरिक्ष प्रक्षेपण को लेकर पश्चिमी देशों का आरोप है कि इससे तेहरान के बैलिस्टिक मिसाइल कार्यक्रम में सुधार हुआ है। सिमोर्ग रॉकेट का प्रक्षेपण ऐसे समय में किया गया जब ईरान ने परमाणु कार्यक्रम में यूरेनियम के 60 फीसदी मौजूदगी का दावा किया। ईरान का कहना है कि उसका परमाणु कार्यक्रम शांतिपूर्ण है जबकि इस्लामिक गणराज्य के अधिकारी संभावित रूप से बम और एक अंतरमहाद्वीपीय बैलिस्टिक मिसाइल की मांग कर रहे हैं ताकि तेहरान अमेरिका जैसे दूर के दुश्मनों के खिलाफ हथियार का इस्तेमाल करने में सक्षम हो सके। ईरान के इस कदम से पश्चिम एशिया में तनाव बढ़ने की आशंका है, जहां गाजा पट्टी में हमास के खिलाफ इजराइल का युद्ध जारी है तो वहीं लेबनान में युद्ध विराम के बाद भी हमले हो रहे हैं। ईरान हालांकि अमेरिका के नव निर्वाचित राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की आने वाली सरकार के साथ संभावित वार्ता के लिए जमीन तैयार करने में जुटा है। ट्रंप ने अपने पहले कार्यकाल में विश्व शक्तियों के साथ तेहरान के परमाणु समझौते से अमेरिका को अलग कर लिया था।

अलास्का के सबसे बड़े शहर के पास ज्वालामुखी के नीचे भूकंप ने चिंता बढ़ाई

अलास्का, एजेंसी। अलास्का के सबसे बड़े शहर के निकट ज्वालामुखी के नीचे इस साल भूकंप की बढ़ती घटनाओं ने भूवैज्ञानिकों का ध्यान अपनी ओर आकर्षित किया है। एंकरेज से लगभग 129 किलोमीटर उत्तर–पश्चिम में ज्वालामुखी 'माउंट स्पर' पिछली बार 1992 में फटा था और इस दौरान लगभग 19 किलोमीटर दूर तक इसकी राख हवा में फैल गई थी जिसके कारण उड़ानें रद्द करनी पड़ीं और लोगों को मास्क लगाने के लिये मजबूर होना पड़ा था। अलास्का ज्वालामुखी वेधशाला के अनुसार ज्वालामुखी में एक और विस्फोट शहर के लिए विनाशकारी साबित हो सकता है। वेधशाला ने अक्टूबर में भूकंप से जुड़ी गतिविधि बढ़ने और उपग्रह के आंकड़ों से जमीन की स्थिति देखने के बाद 'माउंट स्पर' के लिए अलर्ट की श्रेणी को 'येलो' तक बढ़ा दिया। वेधशाला के वैज्ञानिक डेविड फी ने शुक्रवार को बताया कि इस साल ज्वालामुखी के नीचे कम तीव्रता वाले लगभग 1,500 भूकंप आए जो साल भर में सामान्य तौर पर आने वाले लगभग 100 भूकंप से काफी अधिक हैं। फी ने कहा कि इनकी संख्या बहुत ज्यादा लग सकती है लेकिन यह ''उतने भी अधिक नहीं है।'' यह ज्वालामुखी के फटने के संबंध में एक संकेत हो भी सकता है या नहीं भी। इससे पहले 2004 से 2006 तक भूकंप से जुड़ी इसी तरह की गतिविधियां देखी गई थीं लेकिन उस दौरान कोई गंभीर विस्फोट नहीं हुआ।

प्रतापगढ़ ब्यूरो
शरद कुमार श्रीवास्तव
7/31, अचलपुर, प्रतापगढ़

संस्थापक
स्व.कन्हैया लाल
स्व.श्रीमती साधना
सम्पादक
उमेश चंद्र श्रीवास्तव
प्रबन्ध सम्पादक
अरविन्द पाण्डेय
संयुक्त सम्पादक
अनंत श्रीवास्तव
संयुक्त सम्पादक (तकनीकी)
केशव श्रीवास्तव
विधि सलाहकार
कल्पना श्रीवास्तव

शहर समता
स्वामी/प्रकाशक/मुद्रक/सम्पादक उमेश चन्द्र श्रीवास्तव द्वारा कम्पीटेन्ट बिजनेस सर्विसेज, विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित कराकर 289/238ए,कर्नलगंज इलाहाबाद से प्रकाशित
सम्पादक
उमेश चन्द्र श्रीवास्तव
मो.नं.9005239332
आर.एन.आई.नं.
यूपीएचआईएन/2004/22466
Email : shaharsamta@gmail.com
इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होंगे।